संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 54
पृष्ठ 8
मंगलवार
11 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शुरू होने वाली है सर्दियां, बच्चों को....
विचार- क्या दूसरे चरण में और भी ...
खेल- मलिंगा-बोल्ट या राशिद नहीं, हाशिम...

भारत में अब पैदा नही होना चाहिए कोई नया जिन्ना : योगी

- सभी स्कूलों में अनिवार्य होगा वंदे मातरम
- गोरखपुर में सरदार पटेल की स्मृति में एकता यात्रा को दिखाई हरी झंडी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में सरदार बल्लभ भाई पटेल की स्मृति में एकता यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हमें ध्यान रखना होगा कि भारत में अब फिर कोई जिन्ना पैदा ना हो सके। यदि कोई जिन्ना पैदा हो जाता है तो उसे दफन करना होगा। हमें सावधान रहना होगा कि देश में दोबारा विभाजन की स्थिति न उत्पन्न हो।उन्होंने कहा है कि आज हमें भाषा एवं जाति के नाम पर बांटने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है।उन्होंने कहा है कि प्रदेश के सभी स्कूलों में अब वंदे मातरम गीत का गायन अनिवार्य होगा। जिस वंदे मातरम गीत ने अंग्रेजों की चूलें हिला दी थीं, उसी का विरोध जिन्ना ने किया था। यदि कांग्रेस ने जिन्ना का विरोध किया होता तो देश का बंटवारा न होता। अब भारत में दूसरे जिन्ना पैदा नहीं होने देंगे। यदि जिन्ना पैदा हुआ तो उसे दफन कर देंगे। सीएम योगी ने सरदार पटेल को नमन किया और कहा कि दुनिया में सबसे ऊंची प्रतिमा उन्हीं की है। सरदार पटेल देश की सभी रियासतों को एक किया लेकिन कांग्रेस ने उन्हें वो सम्मान नहीं दिया। बीते 9 नवंबर को ही बिहार चुनाव प्रचार के आखिरी दिन रैलियों को संबोधित करके वापस आए। अब गोरखपुर से उन्होंने बिहार को भी सन्देश भेजा है कि भाषा और जातियों के नाम पर बांटने की साजिश की जा रही है, लेकिन हमें बंटना नहीं है। उन्होंने जिन्ना की विभाजनकारी सोच का जिक्र कर यह राष्ट्रीय एकता का भी मैसेज बिहार के मतदाताओं को भी दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता पदयात्रा की शुरुआत की थी। पूरे प्रदेश में हर विधानसभा में पदयात्रा भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता करेंगे। गोरखपुर में यूनिटी मार्च एकता पदयात्रा की अगुआई सीएम योगी आदित्यनाथ ने की।

राजस्थान सरकार का बड़ा सियासी दांव, चुनाव के लिए खत्म हुआ 'दो बच्चों का नियम'

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार राजस्थान पंचायती राज अधिनियम और राजस्थान नगर पालिका अधिनियम में संशोधन के लिए एक अध्यादेश लाने की तैयारी में है, जिसके तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने वाले प्रावधान को हटाया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित अध्यादेश के मसौदे को विधि विभाग को समीक्षा के लिए भेज दिया गया है। अनुमोदन के बाद, प्रस्ताव को कैबिनेट के समक्ष मंजूरी के लिए रखा जाएगा। वर्तमान में ये कानून 27 नवंबर, 1995 के बाद तीसरा बच्चा पैदा करने वाले व्यक्तियों को पंच, सरपंच, उप–सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, प्रधान, जिला प्रमुख, पार्षद, अध्यक्ष या महापौर जैसे पदों के लिए चुनाव लड़ने से रोकते हैं।

जम्मू कश्मीर में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

दो डॉक्टर समेत सात गिरफ्तार

- 2,900 किलो विस्फोटक और हथियार बरामद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जो प्रतिबंधित आतंकी संगठनों जैश–ए–मोहम्मद और अंसार गजवत–उल–हिंद से जुड़ा हुआ था। इस सफलता से कई प्रमुख आतंकी आरोपी गिरफ्तार किए गए और उनके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार, गोला–बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, 19 अक्तूबर 2025 को श्रीनगर के बुनपोरा, नौगाम में कई जैश–ए–मोहम्मद के पोस्टर लगाए गए थे, जिनमें पुलिस और सुरक्षाबलों को धमकाया गया था। इसके बाद एफआईआर संख्या 162/2025 दर्ज की गई और जांच शुरू हुई। जांच में यह सामने आया कि यह नेटवर्क शिक्षित और पेशेवर युवाओं से जुड़ा था और विदेशी संपर्कों के माध्यम से संचालित हो रहा था। जांच में पता चला कि यह समूह एन्क्रिप्टेड चौनलों के जरिए भर्ती, समन्वय, धन–संग्रह और लॉजिस्टिक्स का काम करता था। धनराशि पेशेवर और शैक्षणिक नेटवर्क के माध्यम से, सामाजिक या धर्मार्थ कारणों का बहाना बनाकर जुटाई जा रही थी।

गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपीः

आरिफ निसार दर साहिल, नौगाम, श्रीनगर
यासिर–उल–आशरफ, नौगाम, श्रीनगर
मकसूद अहमद दर शाहिद, नौगाम, श्रीनगर
मौलवी इरफान अहमद, शोपियां
जमीर अहमद आहंगर मुल्लाशा, वाकुरा, गांदरबल
डॉ. मुजम्मिल अहमद गनाई मुसायब, कोइल, पंपोर
डॉ. आदिल, वानपोरा, कुलगाम

निर्माणाधीन मकान का बेसमेंट धंसा, एक की मौत, बचाव कार्य जारी

जयपुर, एजेंसी। जयपुर के सुभाष चौक थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। पानी गरो के मोहल्ले में निर्माणाधीन मकान का बेसमेंट अचानक धंस गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना से इलाके में अफरातफरी मच

गई। हादसे की सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति की मौत होने के अलावा मलबे में 5 से 7 लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। राहत दल जेसीबी और अन्य उपकरणों की मदद से मलबा हटाने का प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय लोग भी बचाव कार्य में मदद कर रहे हैं। प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को घेराबंदी कर दिया है और मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिनदहाड़े गोली मारकर व्यक्ति ने की आत्महत्या, मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर–मंतर पर सोमवार, 10 नवंबर को एक चौंकाने वाली घटना में एक व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के जंतर–मंतर पर सोमवार को एक व्यक्ति ने कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुँचे और उन्हें गोली लगने से घायल व्यक्ति का शव मिला। उस व्यक्ति ने सुबह करीब 9रू00 बजे दिल्ली पुलिस द्वारा लगाए गए मेटल डिटेक्टर गेट के पास स्थित एक चाय की दुकान के पास आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, उसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद हैं और घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस फिलहाल मामले की जाँच कर रही है और कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारी ने आगे कहा, जिन परिस्थितियों में व्यक्ति ने खुद को गोली मारी, उनकी पुष्टि की जा रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जाँच जारी है।

राहुल गांधी को एमपी में 10 पुश अप की सजा

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में पार्टी प्रशिक्षण शिविर में 10 मिनट देरी से पहुँचने पर 10 पुश–अप्स लगाए। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि राहुल गांधी ने संगठन सृजन अभियान (एसएसए) के तहत चल रहे शिविर में देरी से पहुँचने पर प्रतिभागियों के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रशिक्षण विभाग के प्रमुख सचिन राव द्वारा निर्धारित "दस पुश–अप्स की सज़ा" नियम का पालन किया। यह अभियान 11 नवंबर को समाप्त होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारे नेता राहुलजी के लिए यह कोई नई या आश्चर्यजनक बात नहीं है। हमारे शिविर में हम अनुशासन का सख़्ती से पालन करते हैं। पार्टी में लोकतंत्र है जहाँ सभी सदस्य समान हैं और सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है। हमारी पार्टी में भाजपा की तरह कोई तानाशाही नहीं है। बरोलिया ने बताया कि राहुल गांधी बाद में चुनाव प्रचार के लिए बिहार गए। संपर्क करने पर, राव ने कहा कि शिविर में जो कुछ हुआ, उसके बारे में बात करने की उन्हें आज़ादी नहीं है। पार्टी संगठन को मज़बूत करने की कवायद के तहत विपक्ष के नेता का पाँच महीनों में मध्य प्रदेश का यह दूसरा दौरा था।

बिहार में दो दशक के अन्याय के अंत के लिए महागठबंधन सरकार बनाएं : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा के लिए दूसरे और अंतिम चरण के मतदान से पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि राज्य में 20 साल जारी अराजकता को खत्म करने और सबको न्याय दिलाने के वास्ते वे महागठबंधन के पक्ष में मतदान करें। श्री खरगे ने कहा कि बिहार के लोग दो दशक से अन्याय सह रहे

हैं और मतदाता इसका अंत करने के लिए महाठबंधन के पक्ष में वोट करें। उन्होंने वादा करते हुए कहा कि महागठबंधन सरकार बिहार के लोगों को दो दशकों की लाचार और भ्रष्ट व्यवस्था से मुक्ति दिलाएगी तथा समाज के हर वर्ग के विकास के लिए काम करेगी। श्री खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, अब पलायन रुकेगा, युवाओं के भविष्य से अंधेरा छंटेगा, हर घर नौकरी से उनका कल संवरेगा। अन्याय का करेंगे अंत, सामाजिक न्याय से बदलेंगे बिहार। हमारा वादा है–महागठबंधन दलित, महादलित, आदिवासी, पिछड़े, अति–पिछड़े, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। महिलाओं, किसानों और युवाओं के आर्थिक उत्थान के लिए ठोस योजनाएं लागू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता बदलाव के लिए तैयार है और महागठबंधन राज्य का गौरव लौटाने का संकल्प लेकर मैदान में है, इसलिए मतदाता विकास, समानता और न्याय के लिए महागठबंधन को वोट दें।

भारत और श्रीलंका के बीच संयुक्त सैन्य 'अभ्यास मित्र शक्ति' शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के सैनिक करीब दो सप्ताह तक चलने वाले सैन्य अभ्यास में ड्रोन रोधी और आतंकवाद रोधी अभियानों में परस्पर रण कौशल के गुर तथा अनुभव साझा करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि दोनों देशों की सैन्य टुकड़ियों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास ष् अभ्यास मित्र शक्ति–2025ष् का ग्यारहवां संस्करण आज से कर्नाटक के बेलगावी में श्फॉरेन ट्रेनिंग नोडश में शुरू हुआ जो 23 नवंबर तक चलेगा। अभ्यास में भारतीय सेना की राजपूत रेजिमेंट के 170 जवान शामिल हैं जबकि श्रीलंकाई दल में 135 जवान हैं जिनमें मुख्य रूप से गजाबा रेजिमेंट के सैनिक हैं। अभ्यास में वायु सेना के 20 और श्रीलंकाई वायु सेना के 10 जवान भी हिस्सा ले रहे हैं। अभ्यास का मकसद संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था के तहत पारंपरिक अभियानों का मिलकर अभ्यास करना है। इसमें आतंकवाद रोधी अभियानों के दौरान संयुक्त प्रतिक्रियाओं में तालमेल बिठाना शामिल है। दोनों पक्ष श्छापेमारी, खोज और नष्ट करने के मिशन और हेलिबर्न जैसी तकनीकी कार्रवाईयों का अभ्यास करेंगे। इसके अलावा श्आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीनश कॉम्बैट रिफ्लेक्स शूटिंग और योग भी अभ्यास पाठ्यक्रम का हिस्सा होगा। अभ्यास मित्र शक्ति– 2025 में हेलीकॉप्टरों के अलावा ड्रोन और ड्रोन रोधी प्रणालियों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। आतंकवाद रोधी अभियानों के दौरान हेलीपैड को सुरक्षित करने और घायलों को निकालने के लिए भी दोनों पक्ष मिलकर अभ्यास करेंगे।

फलौदी में 15 मौतों पर एससी गंभीर, एनएचएआई और मंत्रालय से पूछा- सड़कों पर कब रुकेगा मौत का तांडव?

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और सड़क परिवहन मंत्रालय से राजस्थान के फलौदी से गुज़रने वाले राजमार्ग की स्थिति पर रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। अदालत ने राजस्थान के फलौदी इलाके में हुई एक दुर्घटना, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी, के संबंध में स्वतः संज्ञान लेते हुए यह रिपोर्ट मांगी। शीर्ष अदालत ने एनएचएआई और सड़क परिवहन मंत्रालय को राजस्थान के फलौदी में राजमार्ग पर स्थित ढाबों की संख्या का सर्वेक्षण करने और रिपोर्ट दाखिल करने को भी कहा। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और मंत्रालय को नोटिस जारी कर दुर्घटना के कारणों पर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। पीठ ने राजमार्ग की स्थिति और फलौदी में सड़क रखरखाव के लिए ठेकेदार द्वारा अपनाए गए मानदंडों पर भी एक विशिष्ट रिपोर्ट मांगी।

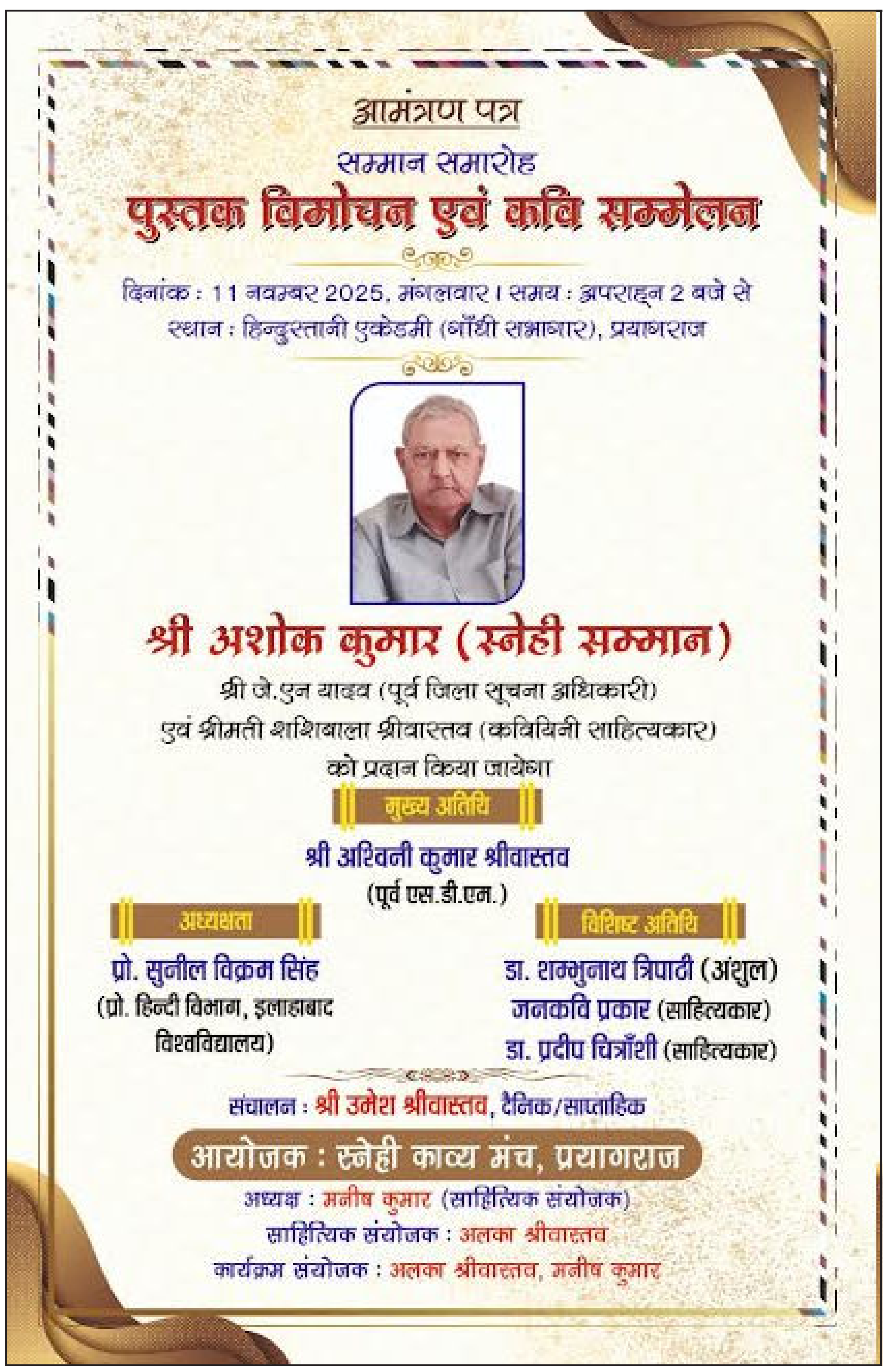

बच्ची पर चढ़ा पिकअप, सीना-पेट जमीन पर चिपका

प्रयागराज में पिकअप की चपेट में आकर 2 साल की बच्ची की मौत हो गई। मासूम घर के बाहर खेल रही थी। तभी पिकअप ने बैक करते समय उसे कुचल दिया। गाड़ी का पिछला पहिया उसके ऊपर से गुजर गया। बच्ची की मां ये देखकर जब तक उसके पास पहुंची, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। गाड़ी का पहिया चढ़ने के कारण मासूम के शव की हालत बहुत बुरी थी।

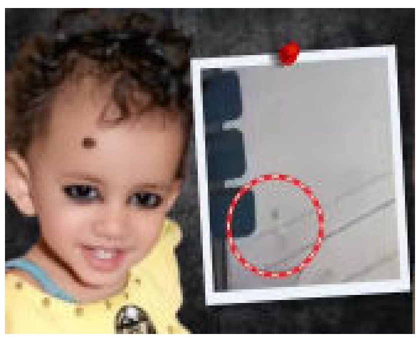

उसका सीना और पेट पूरी तरह से जमीन में चिपक गया था। नाक और कान से ब्लड निकल रहा था। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना के बाद ड्राइवर गाड़ी लेकर फरार हो गया। ये हादसा उस समय हुआ, जब पूरा परिवार बच्ची की दादी के अंतिम संस्कार में गांव गया था। घर पर सिर्फ बच्ची की मां ही थी। हादसा रविवार दोपहर 1 बजे मऊआइमा क्षेत्र के सुल्तानपुर खास गांव में साहू धर्मकांटा के पास हुआ। सुल्तानपुर खास गांव में साहू धर्मकांटा है। धर्मकांटे के बगल में अनिल कुमार पटेल का घर है। अनिल और उनकी पत्नी शीला की 4 साल पहले शादी हुई थी। पीहू इनकी 2 साल की इकलौती बेटी थी। 10 महीने का बेटा प्रिंस है। शनिवार की शाम को पीहू की 80 वर्षीय दादी सुमारी देवी का निधन हो गया था। रविवार सुबह अनिल और परिवार के सभी सदस्य उनके अंतिम संस्कार के लिए प्रयागराज गए थे। घर पर सिर्फ पीहू की मां ही थी। पीहू घर में अकेले थी, इसलिए मां शीला उसे बाहर खेलने के लिए ले गई। इसी दौरान बगल के धर्मकांटे में एक पिकअप गाड़ी वजन तौल कराने के लिए खड़ी थी। तभी पीहू अपने घर के बाहर खेल रही थी। थोड़ी दूरी पर शीला भी खड़ी थी। वजन तौल करने के बाद धर्मकांटा पर खड़ी पिकअप के ड्राइवर ने गाड़ी बैक किया। तभी गाड़ी से टक्कर लगने से बच्ची गिर गई और पहिया पीहू पर चढ़ गया। घटना इतनी जल्दी हुई कि कोई कुछ समझ ही नहीं पाया। पीहू की मां दौड़ते-चिल्लाते हुए बच्ची के पास पहुंची, लेकिन पीहू ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। ड्राइवर को जब घटना का पता चला तो वह गाड़ी लेकर फरार हो गया। यह पूरी घटना धर्मकांटा पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद पीहू की मां शीला पटेल का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम का माहौल है।

प्रयागराज में मंगेतर बोला- रेप पीड़ित छात्रा से शादी करूंगा

प्रयागराज (संवाददाता)। मेरी शादी 9वीं की छात्रा से तय थी। पिता की मौत के कारण शादी की तारीख रद्द कर दी गई थी। इसी बीच मेरी मंगेतर के साथ दरिंदगी हो गई। इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। मैं अब भी उसी से शादी करूंगा। दरिंदे को सजा दिलाकर रहूंगा। यह कहना है प्रयागराज के उस युवक का, जिसकी मंगेतर के साथ 1 नवंबर को रेप हुआ। घटना वाले दिन से ही वह अपनी मंगेतर के साथ है। उसने थाने जाकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद युवक ने पीड़ित छात्रा से ही शादी करने की बात कही है। फिलहाल, पुलिस 6 नवंबर को आरोपी सूरज मौर्या को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। सूरज ने छात्रा से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की, फिर उसके साथ दरिंदगी की। पुलिस अब उसके उन दो साथियों की तलाश में जुटी है। मऊआइमा थाना के एक गांव की रहने वाली छात्रा से पड़ोसी गांव के रहने वाले सूरज मौर्या नाम के युवक ने इंस्टाग्राम पर दोस्ती की। छह माह से वह चौटिंग कर रहा था। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। 1 नवंबर की शाम करीब पांच बजे सूरज ने छात्रा को फोन कर कहा कि वह मिलने आ जाए, बहुत जरूरी काम है। छात्रा को लगा कि उसके रिश्ते की बात किसी को पता चल गई है। वह सूरज के बताए स्थान पर पहुंची। बसरही गांव स्थित प्राइमरी विद्यालय के पास सूरज अपने दो दोस्तों के साथ खड़ा था। छात्रा के पहुंचने पर वह उसे स्कूल के बगल बने कमरे में ले गया। उसके दोस्त बाहर ही खड़े रहे। दोनों के अंदर पहुंचते ही दोस्तों ने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद सूरज ने उससे रेप किया। इस दौरान गांव के कई लोग स्कूल की तरफ आते दिखे, तो दोनों दोस्तों ने बाहर से दरवाजा बंद करके भाग गए। दरवाजा बंद होने के कारण सूरज मौर्या भी बाहर निकल नहीं सका, वह दरवाजा पीटने लगा। इसके बाद उसने अपने दोस्त अनुपम मौर्या को फोन कर बुलाया। अनुपम के पहुंचने से पहले वहां अन्य लोग भी इकट्ठा हो गए और हंगामा मच गया। ग्रामीणों ने दरवाजा खोला तो युवक और छात्रा बाहर आए। छात्रा का कहना है कि अनुपम ने अपने भाई को वहां से भगा दिया और फिर धमकी दी- तुम्हारा वीडियो बन गया है, हर जगह वायरल कर देंगे, तुम्हें जान से मारवा देंगे। इधर, छात्रा के साथ रेप की सूचना मिलने पर उसका मंगेतर पहुंच गया था। उसने कॉल करके पुलिस को सूचना दी थी। 1 नवंबर को गांव के कुछ लोग छात्रा के घरवालों पर समझौते का दबाव बनाने लगे। रातभर दोनों पक्षों की पंचायत चली, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। 2 नवंबर की सुबह मंगेतर छात्रा और उसकी मां को लेकर मऊआइमा थाने पहुंचा और थ्थ् दर्ज करवाई। पड़ोस के गांव रहने वाले चाट कारोबारी मंगेतर ने बताया कि मेरी शादी 2 नवंबर को होनी थी। इसी बीच 23 अक्टूबर को मेरे पिता की मौत हो गई थी। ऐसे में शादी टालनी पड़ी। परिवार ने सोचा था कि 4 नवंबर को तेरहवीं के बाद शादी की नई तारीख तय करेंगे। इसी बीच, मेरी मंगेतर से रेप हो गया। इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। जब लड़की पर दुखों का पहाड़ टूटा, तब मैं उसका साथ कैसे छोड़ सकता था। मैं जल्द ही उस छात्रा से शादी करूंगा।

पत्नी से अफेयर का शक था, दोस्त को मार डाला

प्रयागराज (संवाददाता)। मुझे शक था कि सिराज का मेरी पत्नी से अवैध संबंध है। कई बार मैंने उसे समझाया भी था कि हमारे घर आना-जाना बंद कर दे, लेकिन वह नहीं माना। मैंने तय कर लिया कि यह किस्सा खत्म कर दूंगा। मुझे मालूम था कि सिराज रात में मिलने आएगा, इसीलिए मैं सोया ही नहीं। चाकू लेकर रात से ही उसका इंतजार करने लगा। आखिरकार सुबह सिराज आया और उसे देखते ही मैं चाकू लेकर उस पर टूट पड़ा। पहले पेट और फिर गर्दन पर ताबड़तोड़ वार किए। तब तक नहीं रुका, जब तक कि वह मरकर जमीन पर नहीं गिरा। इसके बाद वहां से भाग निकला। ये कबूलनामा है सिराज की हत्या करने वाले उसके दोस्त अयाज का है। अयाज ने पत्नी से अवैध संबंध के शक में सिराज की हत्या की। उसे 50 मीटर तक घसीटा और मारा। फिर चाकू से पेट और सीने पर 6 वार किए। घायल सिराज लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़ा, जबकि अयाज फरार हो गया। करीब 2 घंटे बाद पुलिस ने अयाज को गिरफ्तार कर लिया। सिराज और अयाज कई सालों से एक-दूसरे को जानते थे और लंबे समय तक साथ भी रहे थे। दोनों का आपस में रुपयों का लेन-देन भी था। सिराज अक्सर अयाज के घर आता-जाता रहता था।

आर्य कन्या कॉलेज में धरने पर बैठी छात्राएं, बोलीं

स्टूडेंट्स से अधिक फीस वसूली जा रही, वीडियो बनाकर कार्रवाई की दे रहे धमकी

प्रयागराज (संवाददाता)। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में अधिक फीस वसूलने के विरोध में छात्राएं धरने पर बैठ गई। इस दौरान कालेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान छात्राओं ने कहा- हमारे धरने के दौरान वीडियो बनाकर डराया जा रहा था। कहा- गया कि बाद में तुम लोग पर कार्रवाई की जाएगी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा अभी तक तीन बार महाविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अवैध शुल्क वसूली को वापस लेने की मांग की गई थी। इसके बावजूद भी महाविद्यालय प्रशासन ने कोई एक्शन नहीं लिया।

तीन दिन पहले कार्यकर्ताओं ने कॉलेज प्रशासन को पत्र देकर स्पष्ट किया गया था कि यदि इसमें सुधार नहीं किया गया तो सोमवार को बड़ा प्रदर्शन करेंगे। इसी क्रम में आज कार्यकर्ता यहां विरोध प्रदर्शन करेंगे।

परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के आर्य कन्या डिग्री कॉलेज को छोड़कर अन्य सभी संघटक कॉलेजों में विद्यार्थियों से प्रथम वर्ष में 5,000 सिक्योरिटी शुल्क सहित कुल 50,000 फीस ली जाती है, जो द्वितीय वर्ष से 45,000 हो जाती है।

वहीं आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में प्रथम वर्ष की छात्राओं से 53,000 पाठ्यक्रम शुल्क तथा 5,000 महर्षि दयानंद संस्थान को अनिवार्य रूप से डोनेशन के रूप में, कुल 58,000 वसूले जा रहे हैं। यही शुल्क द्वितीय वर्ष की छात्राओं से भी लिया जा रहा है।

प्रयाग महानगर के महानगर मंत्री प्रतीक मिश्रा ने कहा, महाविद्यालय की गवर्निंग काउंसिल, जिसके अध्यक्ष पंकज जायसवाल हैं, उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना करती है। न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि उक्त गवर्निंग काउंसिल अवैध है और पंकज जायसवाल द्वारा अध्यक्ष पद का अवैधानिक रूप से अधिग्रहण किया गया है। आदेशानुसार पंकज जायसवाल को महाविद्यालय प्रबंधन से तत्काल हटाने एवं किसी भी प्रशासनिक कार्य में हस्तक्षेप से रोका गया था। वर्तमान में वे अवैधानिक रूप से गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। इनकी मिलीभगत एवं धोखाधड़ी के संबंध में वर्ष 2018 में मुट्ठीगंज थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी।

प्रयागराज में महिला की लाश को घसीटा, पुलिसकर्मी खड़ा होकर देखता रहा, ट्रैक पर मिली थी डेडबॉडी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना हुई। यहां स्वरूप रानी अस्पताल की मॉर्च्युरी में महिला की डेडबॉडी को एक व्यक्ति घसीटकर ले गया। जबकि वहीं एक पुलिसकर्मी खड़ा होकर यह सब देखता रहा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

रविवार दोपहर सराय इनायत इलाके के वाराणसी-प्रयागराज रेलवे ट्रैक पर 40 साल की एक महिला की लाश मिली। कॉन्स्टेबल पोस्टमॉर्टम के लिए ऑटो से डेडबॉडी लेकर पहुंचा। लाश के करीब मिले दस्तावेज से पुलिस ने उसकी पहचान शन्नो पत्नी जहाजी के रूप में की।

पुलिस के मुताबिक, शव के बारे में परिवार को सूचना दी गई। लेकिन वह समय से घटनास्थल पर नहीं पहुच सके। पुलिस ने स्थानीय लोगो की मौजूदगी में लाश का पंचायतनामा भर कर उसे मॉर्च्युरी हाउस भेज दिया।

सिपाही शिवाकांत ने बताया- मैं मॉर्च्युरी पर ऑटो से डेडबॉडी लेकर पहुंचा। यहां पहुंचने के बाद ऑटो खड़ी करके ड्राइवर कहीं चला गया। मैंने डेड बॉडी को वहां के कर्मचारियों के सुपुर्द कर दिया। मैं पैसे देकर वहां से चला आया था। इसके बाद क्या हुआ मुझे पता नहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 6 महीने पहले स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल की दुर्दशा को लेकर तल्ख टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि इसे अस्पताल नहीं शवगृह कहना ज्यादा उचित होगा। कोर्ट ने कहा था कि प्रयागराज मेडिकल माफियाओं के चंगुल में फंसा है। माफिया के दलाल आम आदमी को प्राइवेट अस्पतालों तक पहुंचाते हैं।

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने सुनवाई के दौरान सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस, खराब स्वास्थ्य सेवाओं और भ्रष्टाचार के मामलों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

हाईकोर्ट की ओर से नियुक्त न्याय मित्र की रिपोर्ट में अस्पताल की भयावह स्थिति उजागर हुई। इस पर कोर्ट ने अस्पताल के अफसरों के साथ ही जिला प्रशासन और नगर निगम के भी अफसरों को भी तलब किया। कोर्ट ने कहा कि महाकुंभ 2025 के दौरान 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन के बावजूद चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह से विफल रही। सौभाग्यवश कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई, वर्ना हालात बेहद भयावह हो सकते थे।

प्रयागराज में अस्पताल में घुसकर डॉक्टर को लात-घूसे मारे

कॉलर पकड़कर चैंबर से बाहर घसीटा, 17 दिन बाद एफआईआर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में डॉक्टर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपी युवकों ने डॉक्टर को जमकर लात घूसे मारे। इसके बाद भाग गए। मामला 22 अक्टूबर को एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के पीपल गांव का है। पुलिस कमिश्नर से शिकायत के 17 दिन बाद मुकदमा दर्ज किया गया है।

डॉ. सुनील कुमार मूल रूप से कौशाम्बी के म्योहरिया गांव के रहने वाले हैं। वो पीपल गांव में टिया वानी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल चलाते हैं। उन्होंने बताया- 22 अक्टूबर 2025 की दोपहर लगभग 2 बजे आरबी दिवाकर निवासी ईडब्ल्यूएस प्रीतमनगर थाना धूमनगंज, अपने पुत्र और दो अन्य साथियों के साथ अस्पताल में जबरन घुस आए।

मैंने उन्हें बैठने के लिए कहा, लेकिन तीनों एक राय होकर उन पर हमला करने लगे। दिवाकर ने गला पकड़ लिया और उसका बेटा सीने के पास मुक्के मारने लगा। इस दौरान अन्य लोग भी लात-घूंसे चलाते रहे।

पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने उनके चेंबर में रखे कंप्यूटर, वेट मशीन और बीपी उपकरण को पटककर तोड़ दिया। शोर सुनकर जब अस्पताल का स्टाफ मौके पर पहुंचा तो उन्होंने स्टाफ के साथ भी मारपीट की।

आरोप है कि आरोपियों ने डॉक्टर का कॉलर पकड़कर उन्हें चेंबर से बाहर घसीटा और धमकी दी कि यदि दोबारा शिकायत की तो जान से मार देंगे। हमले में डॉक्टर सुनील कुमार के गाल, हाथ, सीने और पीठ पर गंभीर चोटें आईं।

डॉ. सुनील ने बताया- घटना वाले दिन ही उन्होंने एयरपोर्ट थाने में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उन्होंने एसीपी को भी घटना की जानकारी दी और न्याय की गुहार लगाई, लेकिन तब भी कोई कदम नहीं उठाया गया।

काफी प्रयासों के बाद जब डॉ. सुनील ने पुलिस कमिश्नर प्रयागराज से शिकायत की, तब जाकर एफआईआर दर्ज की गई। पीड़ित का कहना है कि मुख्य आरोपी आर.बी. दिवाकर नोएडा के रजिस्ट्रार ऑफिस में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि घटना की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद है, जिसमें आरोपी साफ दिखाई दे रहे हैं।

डॉ. सुनील कुमार का आरोप है कि थाना एयरपोर्ट पुलिस अभियुक्त पक्ष से मिली हुई है, इसी कारण न तो आरोपियों की गिरफ्तारी की गई और न ही मामले में उचित धाराएं लगाई गईं। उनका कहना है कि इस घटना में मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट के तहत भी कार्रवाई होनी चाहिए थी, लेकिन पुलिस ने जानबूझकर ऐसा नहीं किया।

अस्पताल संचालक ने कहा कि उन्हें अब भी न्याय नहीं मिला है। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अस्पताल में इस तरह की गुंडागर्दी करने की हिम्मत न करे।

पुलिस के भूमि पूजन से माघ मेले की तैयारियां शुरू

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में जनवरी 2026 में लगने वाले विश्वप्रसिद्ध माघ मेले की तैयारियां अब औपचारिक रूप से शुरू हो गई हैं। सोमवार को त्रिवेणी मार्ग स्थित पुलिस लाइन स्थापना स्थल पर पुलिस विभाग की ओर से विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर जोगिंदर कुमार ने पूजा-अर्चना कर माघ मेले के शांतिपूर्ण और सफल आयोजन की कामना की।

भूमि पूजन कार्यक्रम में मठ बाघम्बरी गद्दी के पीठाधीश्वर महंत बलवीर गिरी ने भी विशेष पूजा कर धार्मिक विधि-विधान संपन्न कराए। पुलिस विभाग द्वारा मेले की सुरक्षा, व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिकोण से भूमि पूजन के साथ ही तैयारियों को औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दिया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के ध्वज का भी पूजन किया गया। इस बार मेला प्राधिकरण ने माघ मेला को करीब 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में बसाए जाने की योजना है। पुलिस विभाग की तरफ से मेले के प्रारंभिक चरण में करीब 15 प्रतिशत पुलिस बल को मेला क्षेत्र में तैनात किए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस बार छह की जगह सात पांटून पुल बनाए जाएंगे, ताकि स्नान पर्वों के दौरान आवागमन सुचारू रूप से हो सके। माघ मेला 3 जनवरी 2026 को पौष पूर्णिमा स्नान पर्व से प्रारंभ होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में एडीशनल सीपी डॉ. अजय पाल शर्मा, एन. कोलांची, डीसीपी सिटी, गंगानगर और यमुनानगर जोन के अधिकारी, डीसीपी ट्रैफिक नीरज पांडेय जो माघ मेले के लिए पुलिस के नोडल अधिकारी बनाए गए हैं,सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। भूमि पूजन के साथ ही प्रयागराज पुलिस विभाग की माघ मेले की तैयारियां विधिवत रूप से शुरू हो गई हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, पुलिस महकमा आने वाले माघ मेले को पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार से गायब हुआ कोबरा सांप, घंटों चला सर्च ऑपरेशन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सिविल लाइंस क्षेत्र में शनिवार को एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। सुभाष चौराहे के पास एक महिला एनजीओ संचालिका द्वारा कोबरा सांप का रेस्क्यू करने के बाद उसे कार से ले जाते समय सांप कार के अंदर से गायब हो गया। जिसके बाद सिविल लाइन एरिया में घंटो गाडी के अन्दर तलाश की गयी लेकिन नहीं मिला। गाड़ी के हर एक पार्ट को खोल के देखा गया जिसके बाद लगभग 2 घंटे बाद सांप कार के अन्दर से ही मिला। जानकारी के अनुसार उसका पिटारा सही से नहीं बंद था जिसकी वजह से ऐसा हुआ हालाकि इस घटना में किसी को नुकसान नही हुआ। जानकारी के मुताबिक, एनजीओ ष्एनिमल केयरष् की संचालिका वंशिका गुप्ता को सूचना मिली थी कि एक सपेरा नशे की हालत में कोबरा सांप को लेकर सिविल लाइंस क्षेत्र में लोगों को डरा रहा है और सांप को परेशान कर रहा है। मौके पर पहुंचकर वंशिका गुप्ता ने सांप को सपेरे से छुड़ाकर सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे जंगल में छोड़ने के लिए कार में रख लिया। लेकिन कुछ ही देर बाद जब उन्होंने कार चेक की, तो पिटारे में रखा कोबरा सांप गायब था। अचानक सांप के नजर न आने से अफरा-तफरी मच गई। वंशिका ने कार को सड़क किनारे रोककर करीब दो घंटे तक पूरी कार की तलाशी ली, लेकिन सांप का कोई पता नहीं चला। सांप को कई घंटो बाद कार से ही रेस्क्यू किया गया जिसके बाद छळव संचालिका ने बताया, की कोबरा सांप को एक व्यक्ति के द्वारा लेकर परेशान किया जा रहा था। जिसके बाद हम लोगों ने उससे रेस्क्यू करके जंगल में छोड़ने जा रहे थे तभी ये घटना हुई, सांप मिल गया है। अब हम लोग इसे सुबह जंगल में छोड़ेंगे।

प्रयागराज में केंद्रीय मंत्री बोले-रिटायर अफसर अनुभव का खजाना

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि वर्तमान पुलिस अधिकारियों को चाहिए कि वे महीने में एक बार बैठक करें। इसमें जिसमें रिटायर्ड अफसरों को भी आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा- 32, 35 या 37 साल की सेवा देने वाले ये अधिकारी अनुभव के खजाने हैं। इनके अनुभव से नई पीढ़ी के आईपीएस और पुलिसकर्मी बहुत कुछ सीख सकते हैं। उनके दौर में न मोबाइल था, न डिजिटल ट्रैकिंग, फिर भी 90: अपराधों का खुलासा हो जाता था तो ये इनके मैनुअल इंटेलिजेंस व सर्विलांस का कमाल था। उप्र, उत्तराखंड के एक हजार रिटायर अफसर हुए शामिल बघेल रविवार को प्रयागराज में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान के बैचमेट रियूनियन कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत विभिन्न राज्यों के करीब 1000 रिटायर्ड पुलिस अधिकारी शामिल हुए, जिनमें डिप्टी एसपी स्तर तक के अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान रिटायर्ड अफसरों ने न केवल अपने अनुभव साझा किए बल्कि अपने पुराने साथियों से मिलकर पुलिस सेवा के सुनहरे दौर की यादें भी ताजा कीं। कई अफसरों ने अपने संस्मरण सुनाए, तो कुछ ने गीत और कविता पाठ करके अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह से स्मृतियों और सौहार्द का संगम रहा।

प्रयागराज में ऑटो पार्ट्स दुकान में लगी आग

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सराय ममरेज थाना क्षेत्र स्थित बाबा नगर बाजार में शनिवार सुबह एक ऑटो पार्ट्स की दुकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान से घना धुआं और लपटें उठने लगीं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर कर्मियों के अनुसार, आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, यह राहत की बात रही। हालांकि, दुकान के भीतर रखे लाखों रुपये के स्पेयर पार्ट्स और अन्य सामान जलकर राख हो गए, जिससे भारी आर्थिक नुकसान का अनुमान है। फायर अफसरों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुकान मालिक से नुकसान के आकलन के लिए पूछताछ शुरू की है। पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है।

विगत शनिवार को काकीनाडा में चेयूता समाजसेवी संगठन के 8वें वर्षगांठ समारोह में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के सयोजक श्री पेरूरी सूरीबाबू को आचार्य देवोभव पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

श्री कृष्ण की अद्भुत बाललीला की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

करछना। क्षेत्र के कचरी गांव में चल रही सातदिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा महोत्सव में पांचवें दिन सोमवार को कथा व्यास द्वारा श्री कृष्ण की अद्भुत बाल लीला का वर्णन सुन श्रोता गण भाव विभोर हो उठे।इस दौरान कथा वाचक आचार्य हरिकान्त मिश्र ने–यशोदा हरि पालने झुलावैं और जाहि अनादि,अनन्त,अखण्ड अछेद,अभेद्य,सुवेद बतावैं,ताहि अहीर की छोहरियां,छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं जैसे पद,भजन,गीतों द्वारा श्री कृष्ण की बाललीला और दिव्य छवि का अनूठा वर्णन करते हुए श्रद्धालु भक्तजनों को आह्लादित कर दिया। उन्होंने बालकृष्ण द्वारा मक्खन चुराने,ऊखल में बांधे जाने,यशोदा नन्द द्वारा दुलराने,कालिया नाग का मर्दन करने,गोवर्धन पर्वत को उंगली पर उठाने जैसी कई लीला का मार्मिक वर्णन करते हुए खूब तालियां बटोरी। कथा व्यास ने कहा कि प्रेम की पराकाष्ठा के पर्याय श्री कृष्ण का बाल जीवन और उसकी कथा का श्रवण करने से घर में प्रेम संस्कार सदाचार और सुख समृद्धि विराजती है। इस दौरान बाल लीला संबंधित झांकियों ने भी सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पूर्व कथा श्रवण कर रही त्रिवेणी सिंह ने श्रीमद् भागवत महापुराण और कथा व्यास का पूजन माल्यार्पण किया।आयोजक कृष्णराज सिंह ने कथा श्रवण करने आए क्षेत्रीय जनमानस के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर प्रधान धर्मराज सिंह पटेल,रामबली सिंह,रामकुमार सिंह,पृथ्वीराज,डॉ. योगेश सिंह विनोद सिंह,राजेश कुमार राजू,युवराज सिंह, बंसराज सिंह,अजेय राजसिंह, बृजराज सिंह,विमलेश्वर दास महाराज,मुन्ने शुक्ला,पृथ्वीराज सिंह,अरुण सिंह,अनिल शुक्ला,मणिराज सिंह समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय श्रोता भक्तजन,महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

ब्लू बेल स्कूल ने धूम धाम से मनाया अपना वार्षिक उत्सव

मुख्य अतिथि अभिजीत सिंह व विशिष्ट अतिथि रवीन्द्र कुशवाहा ने कार्यक्रम की जमकर सराहना की

प्रयागराज। ब्लू बेल स्कूल करेली में वार्षिक उत्सव ष्आयामष का भव्य आयोजन किया गया ए कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अभिजीत सिंह चेयरमैन रेलवे भर्ती बोर्ड प्रयागराज द्वारा

दीप प्रज्वलित करके किया गया ए विशिष्ट अतिथि प्रख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने भी कार्यक्रम की शोभा बढाई। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृतिचिह्न व शानदार ट्रॉफी से विद्यालय के प्रबंधक अतुल कुमार कुशवाहा ने भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के प्रबंधक संदीप कुमार कुशवाहा, सह–प्रबंधक अतुल कुमार कुशवाहा, प्रधानाचार्या इन्दु खुराना, व उप–प्रधानाचार्या अर्पिता मालवीय एवं समस्त अध्यापकगणों ने विशेष योगदान दिया।

जिसमें बच्चों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छोटे–छोटे छात्रों ने नृत्य के माध्यम से मोबाइल के दुष्प्रभावों को उजागर किया। साथ ही साथ भारत के विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों का प्रदर्शन कर भारत की एकता में अनेकता को प्रदर्शित किया। वहीं एक नाट्य कार्यक्रम में बच्चों ने अपने देश के वीर जवानों को समर्पित किया जिसके बाद विद्यालय का पूरा प्रांगण श्वंदे मातरम् के नारों से गूंज ऊठा।

खोटा पीतल रतन हुआ है..

प्रयागराज। निखिल भारतीय संस्कृत परिषद्, प्रयागराज एवं बौद्धिक विचार मंच, ऊंचाहार रायबरेली के संयुक्त तत्त्वावधान में रविवार को परमपूज्य शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज के झूंसी स्थित शिवगंगा आश्रम में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति तथा विश्वभारती सम्मान प्राप्त, पूर्व

विभागाध्यक्ष संस्कृत आचार्य प्रो. हरिदत्त शर्मा ने कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की। शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात संयोजक डॉ.अभिषेक त्रिपाठी मंडलीक ने सभी अतिथियों , कवियों का स्वागत किया। डॉ.पीयूष मिश्र पीयूष की वाणी वन्दना के बाद गोरखपुर विश्वविद्यालय के डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने भारत का अभिज्ञान है नारी, गौरव अरु अभिमान है नारी, काव्य पंक्तियां पढ़कर कवि सम्मेलन की शुरूआत की। डॉ. तेज प्रकाश चतुर्वेदी ने पढ़ा समय तुम्हारा भी आयेगा, न बैठो ऐसे तुम हाथ धर के। पुष्कर प्रधान ने पढ़ा जो ज्ञान सिंधु निर्मलमन है, विद्या पवित्र समुपासक है। डॉ. इन्दु जमदग्निपुरी ने पढ़ा दांतों से दौलतों को पकड़ने लगें हैं, जीवन की सीढ़ियों से फिसलने लगे हैं। मंच संचालक डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने जितना आगे वतन हुआ है, उतना नैतिक पतन हुआ है। सोने की पहचान कहां अब, खोटा पीतल रतन हुआ है, काव्य पंक्तियां पढ़कर वाहवाही लूटी। प्रो. हरिदत्त शर्मा ने संस्कृत कविता विविध भावैरू समाक्रान्ता मम जीवने सुनाकर अध्यक्षीय काव्यपाठ पूर्ण किया। कवि डॉ. संतोष मिश्र, डॉ. सुनील शुक्ल, डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने भी काव्यपाठ कर सम्मेलन को ऊंचाई प्रदान की। डॉ.राजेश त्रिपाठी, देवी प्रसाद त्रिपाठी, व्यासमुनि हंसतीर्थ, पद्म सिंह, सुरेन्द्र पाण्डेय, मनोरमा पटेल, राजेश सिंह, सत्येन्द्र त्रिपाठी, अनुभव सिंह, सुशील, रिंकी मिश्रा, परिमल, शिव आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज में गांधी शिल्प बाजार का धूमधाम से उद्घाटन, 10 दिनों तक चलेगी हस्तशिल्पियों की अनोखी प्रदर्शनी

प्रयागराज। भारत सरकार के हस्तशिल्प एवं वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त द्वारा प्रायोजित और सरायगनी ग्राम उद्योग संस्थान प्रयागराज द्वारा आयोजित श्गांधी शिल्प बाजारश का आज भव्य उद्घाटन हो गया। यह प्रदर्शनी हस्तशिल्पियों और हथकरघा बुनकरों के उत्पादों को एक छत के नीचे लाने का अनुपम प्रयास है, जो स्थानीय कारीगरों को राष्ट्रीय पटल पर चमकाने का माध्यम बनेगी। मुख्य अतिथि प्रयागराज महापौर गणेश केसरवानी और विशिष्ट अतिथि विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर इस बाजार का शुभारंभ किया।

सिविल लाइंस के कूपर रोड, बिग बाजार के पीछे स्थित मैदान में सजाई गई इस विशाल प्रदर्शनी में देशभर से आए हस्तशिल्पियों के कालजयी उत्पादों का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। 8 नवंबर से 17 नवंबर तक चलने वाले इस 10 दिवसीय बाजार में

चिकनकारी की बारीक शॉल्स से लेकर ब्लॉक प्रिंट साड़ियां, कांथा क्विल्ट, बैंडनी कुर्ते, फुलकारी डिजाइन, जड़ाऊ लकड़ी के बॉक्स, हाथी की नक्काशी वाली मेजें, वुडन वॉल हैंगिंग, मूर्तिकला चेयर, लकड़ी की रंग–बिरंगी पुतलियां, थंडा सिल्वर रिंग्स, मीनाकारी नेकलेस, कांस्य की जीवंत मूर्तियां, बीडेड ब्रेसलेट और जड़ाऊ आभूषण तक सब कुछ उपलब्ध होगा। ये उत्पाद न केवल कारीगरों की महीनों की मेहनत का प्रतीक हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवंतता को भी दर्शाते हैं।

आयोजन के संयोजक मो. नसीम ने बताया, ष्यह बाजार गांधीजी के स्वदेशी आंदोलन की भावना को जीवंत करने का प्रयास है। यहां आने वाले हर दर्शक को किफायती दामों पर शुद्ध हस्तनिर्मित वस्तुएं मिलेंगी, जो बाजार की चकाचौंध से अलग, आत्मनिर्भर भारत की सच्ची तस्वीर पेश करेंगी। हमारा लक्ष्य है कि स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाना और उनकी रचनात्मकता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना।

मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ष्प्रयागराज जैसे सांस्कृतिक शहर में यह बाजार एक सुखद संयोग है। हस्तशिल्प हमारे गौरव का हिस्सा हैं, और इस प्रदर्शनी से हजारों कारीगर लाभान्वित होंगे। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि इस अवसर का लाभ उठाएं और श्मेक इन इंडियाश को बढ़ावा दें।ष वहीं, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने कारीगरों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहलें से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और युवाओं को पारंपरिक कला से जोड़ने का कार्य होगा।

प्रदर्शनी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वर्कशॉप और लाइव डेमो के साथ–साथ खरीदारी के लिए विशेष छूट भी उपलब्ध रहेगी। यदि आप भारतीय शिल्पकला के दीवाने हैं, तो यह बाजार आपके लिए अविस्मरणीय अनुभव साबित होगा।

प्रेमाराय के कहानी संग्रह रिश्तों का अन्तर्नाद का हुआ लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

प्रेमाराय को सुधारवादी कहानीकार कहा जाना चाहिए – अनवार अब्बास नकवी

प्रयागराज । लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता विचार मंच के संयुक्त तत्तवावधान में वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय के कहानी संग्रह षरिश्तों का अन्तर्नाद श के लोकार्पण का आयोजन आज हिन्दुस्तानी एकेडमी के सभागार में मारूफ शाइर अनवार अब्बास नकवी की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस आयोजन के मुख्य अतिथि रही डॉ ऊषा मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि रहीं डॉ कल्पना वर्मा, डॉ रवि मिश्रा एवं डॉ० प्रदीप चित्रांशी। आयोजन का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ तत्पश्चात रचना सक्सेना एवं सरिता मिश्रा ने वाणी वंदना प्रस्तुत की।

यह आयोजन दो सत्र में किया गया। पहले सत्र में प्रेमा राय की पुस्तक का श्रिश्तों का अन्तर्नादश का विमोचन हुआ जिसका संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया तत्पश्चात दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी सत्र का संचालन संगीता श्रीवास्तव

ने किया। इस अवसर पर डॉ ऊषा मिश्रा जी ने कहा प्रेमा राय की कहानियाँ सामजिक व्यवस्था और मानव स्वाभाव की कठोर सच्चाई का प्रतिबिंब प्रस्तुत करती है डॉ कल्पना वर्मा ने कहा डॉ कल्पना वर्मा ने कहा प्रेमा राय का कहानी संग्रह श्रिश्तो का अन्तर्नाद की कहानियों में भारतीय मूल्यों का आदर्श है और पाश्चात्य संस्कारों के पीछे भागने वाली पीढ़ी के लिए आइना दिखाने का उपक्रम है प्रो. रवि मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुऐ कहा कि प्रेमा राय का कहानी संग्रहश रिश्तो का अन्तर्नादश एक ऐसी पुस्तक है जो रिश्तों के बुनियाद को मजबूत करने और रिश्तो के संतुलन को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है। अध्यक्षता करते हुए मारुफ शाइर अनवार अब्बास नकवी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अन्वर अब्बास नकवी ने कहा कि प्रेमा राय जी अपनी कहानी के घरेलू पात्रों को पछतावे से सुधार तक पहुँचाने में सफल होती है उन्हें सुधारवादी कहानीकार कहा जाना चाहिए।

दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी हुई जिसमें सरिता मिश्रा, नीना मोहन, रचना सक्सेना, सुनील दानिश, मंजू लता नागेश, गीता सिंह, कल्पना श्रीवास्तव, डॉ सूर्यकांत त्रिपाठी, विजयलक्ष्मी विभा,संजय सक्सेना,डॉ पीयूष मिश्र, राम कैलाश पाल प्रयागी, डॉ मंजू प्रकाश, प्रभंजन त्रिपाठी, केशव सक्सेना, डॉ वीरेन्द्र कुमार तिवारी,मीरा सिन्हा, आर० वी० सिंह, श्री राम तिवारी, रंजन पाण्डेय, डॉ आदित्य नारायण सिंह, मिली श्रीवास्तव, एम एम राय, रविशंकर पाण्डेय, डॉ आनंद श्रीवास्तव, जया मोहन, ज्योतिर्मय श्रीवास्तव, संगीता भाटिया ,आ० एस० वर्मा,रेखा वर्मा आदि ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर. सौरभ राय ने भी अपनी माँ को हार्दिक बधाईयाँ दी एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद भी मुजफ्फरनगर में आवारा कुत्तों का आतंक बरकरार

नगर पालिका परिषद व प्रशासन की ओर से हो रही है अनदेखी व लापरवाही

मुजफ्फरनगर सनगर पालिका परिषद क्षेत्र वार्ड नंबर 22 के बच्चन सिंह कॉलोनी गली नंबर एक व मेन पचेण्डा रोड पर आवारा कुत्तों का जबरदस्त आतंक व शहर मे प्रमुख व अन्य सार्वजनिक स्थलों जिला चिकित्सालय, रेलवे स्टेशन और प्रमुख बाजार क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है।सुप्रीम कोर्ट द्वारा इन स्थानों को आवारा कुत्तों से मुक्त किए जाने के लिए जारी निर्देशों के बावजूद नगर पालिका परिषद और जिला प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाही नजर नहीं आ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आवारा कुत्तों के झुंड सुबह और शाम के समय सड़कों पर घूमते रहते हैं, जिससे लोगों का निकलना मुश्किल होया रहता है स्थिति इतनी गंभीर हैं कि कई बार ये कुत्ते राहगीरों, विशेषकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर हमला कर देते हैं। हाल के दिनों में ऐसी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, जिसने आम जनता में भय का माहौल पैदा कर दिया है।सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में देशभर के नगर निकायों को आदेश दिया है कि जिला चिकित्सालय, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थलों को

आवारा कुत्तों से मुक्त किया जाए और यह कार्य चार सप्ताह के भीतर पूर्ण किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में इस समस्या की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी रणनीति तैयार की जाए। फिर भी, मुजफ्फरनगर नगर पालिका परिषद द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम उठता दिखाई नहीं दे रहा है। न तो कुत्तों की पकड़ने की अभियान की शुरुआत हुई है और न ही पशु चिकित्सकों या आश्रय स्थलों की कोई व्यवस्था दिखाई दे रही है। शहरवासी इसे प्रशासनिक उदासीनता और लापरवाही का परिणाम मान रहे हैं। रेलवे स्टेशन, जिला अस्पताल और घंटाघर क्षेत्र जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में आवारा कुत्तों का झुंड खुलेआम घूमता है। इससे न सिर्फ लोगों की सुरक्षा खतरे में है बल्कि साफ–सफाई और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ रहा है शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का तत्काल पालन करते हुए आवारा कुत्तों को सुरक्षित रूप से पकड़ा जाए और उनके टीकाकरण, नसबंदी व पुनर्वास की व्यवस्था की जाए, ताकि शहर को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

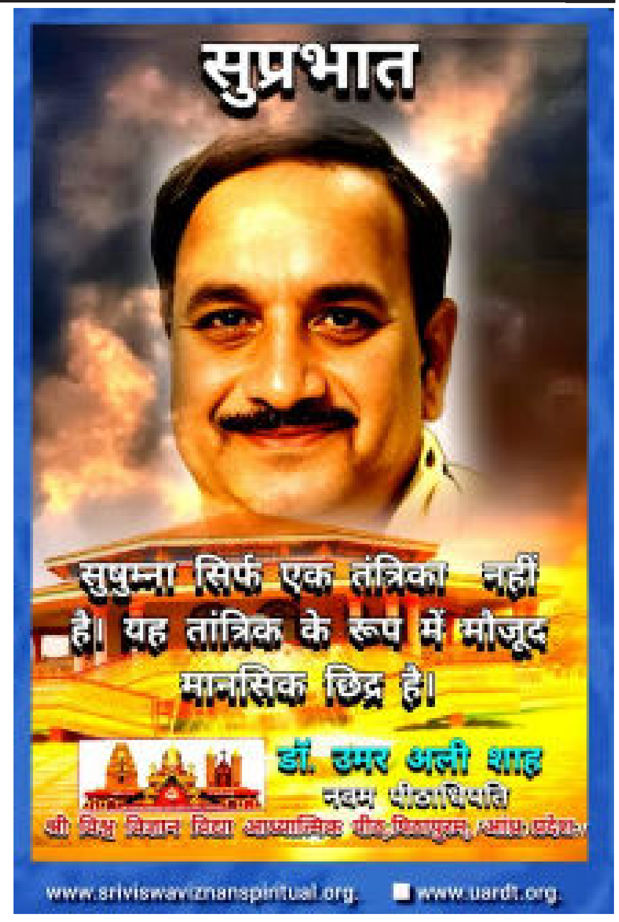

प्यारा गेंदा

गेंदा और गुलाब का, समझो लब्बे लुआब।
पंखुड़ियाँ जिसकी बनी, खुशबूमयी किताब।
खूशबूमयी किताब, बात गहरी सिखलाती।
सबको दें मुस्कान, अन्त तक हैं समझाती।
सुन लो कहें प्रदीप, कहे फूलों का खेला।
मधुरम प्यारी बात, बताता प्यारा गेंदा।।

शोभा बन उद्यान का, देते हैं जो ज्ञान।
फूल उसे दुनिया कहे, है हरि का वरदान।
है हरि का वरदान, बताकर सबको गेंदा।
सजा रहा घरबार, हर्ष का बनकर मेला।
सुन लो कहें प्रदीप, जगत का कोना–कोना।
महकाते हैं फूल, घरों की बनकर शोभा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पी एम श्री राजकीय इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर में औषधीय वाटिका का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर पी एम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चन्द ने रुद्राक्ष , काली मिर्च, हरी इलायची, एलोवेरा, हल्दी, शतावर , रामा तुलसी व श्यामा तुलसी रोप कर

औषधीय वाटिका का शुभारंभ किया । विद्यालय के व्यावसायिक संकाय के छात्र व शिक्षकों ने औषधीय वाटिका के निर्माण में पूर्ण सहयोग किया साथ ही शिक्षकों ने संकल्प लिया कि औषधीय वाटिका में औषधीय पौधे छात्रों के सहयोग से लगाकर छात्रों में पर्यावरण बचाने का एक संदेश देने का काम करेंगे।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चन्द ने औषधीय वाटिका के निर्माण को एक नई शुरुआत बताया उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण को सुरक्षित रखने के साथ साथ अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिये औषधीय वृक्ष लगाए जाने अति आवश्यक है औषधीय व्रक्ष से जहा हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहेगा साथ ही आमजन को औषधीय वृक्ष की जानकारी देकर सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सकेगा। प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यालय में औषधीय वाटिका को विकसित किया जाएगा वाटिका के शुभारंभ में ममता रानी, डॉ सोहन पाल, आदर्श कुमार, ब्रहम प्रकाश, भूपेंद्र आर्य, नीतू, नेहा गोयल, पूनम रानी, कु0 सीमा, रकम सिंह, मनोज कुमार, मोहित कुमार, राजीव गोयल का सहयोग रहा।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की भी सुनवाई करेंगे लोकपाल मनरेगा

समाज शेखर ने जिम्मेदारी से दायित्व निभाने का व्यक्त किया संकल्प

प्रतापगढ़।भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देश के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतगर्त आने वाली समस्याओं के सुनवाई व समाधान हेतु मनरेगा लोकपाल को अधिकृत किया गया है। इस आशय का आदेश सभी मुख्य विकास अधिकारियों को 10 नवंबर सोमवार को ग्राम्य विकास आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी किया गया है। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर को सीडीओ कार्यालय से इस संबंध में जानकारी प्राप्त होने पर उन्होंने पूरी जिम्मेदारी व निष्ठा से दायित्व निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

जगत तारन डिग्री कॉलेज में वाद विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रयागराज के बौद्धिक क्रियाकलाप समिति द्वारा आज दिनांक 10.11.25 को वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. श्कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानवता के लिये खतरा है श इस विषय पर आयोजित वाद – विवाद के पक्ष एवं विपक्ष में छात्राओं ने बढ़ चढ़कर दलीलें दीं और अपना पक्ष प्रस्तुत कियसाथ ही प्रतिभागियों से श्रोताओं ने प्रश्न भी किया जिसका प्रतिभागियों ने विवेकपूर्ण उत्तर दिया. निर्णायक की भूमिका प्रो. नीलिमा मिश्रा एवं प्रो. रतनकुमारी वर्मा ने निभाई. संचालन डा. सुकृति मिश्रा ने किया.शुभी तिवारी, अंजलि पाण्डेय, अनन्या सिंह ने क्रमशरू प्रथम , द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया. दिव्यांशी सिंह और विदुषी श्रीवास्तव संयुक्त रूप से चौथे एवं संजना पाण्डेय ने पाचवां स्थान प्राप्त किया. सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता का पुरस्कार शाम्भवी शुक्ला व अंकिता त्रिपाठी को दिया गया।

कार्यक्रम में प्रो. अंशुमाला मिश्रा ,डा. प्रमा द्विवेदी, डा. फातिमा नूरी, डा. शारदा पाठक

,शोधच्छात्र एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहेस

सम्पादकीय........

क्या फिर विवादों में आएगा एस.आई.आर.

बिहार के बाद देश भर में विशेष मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान या एस.आई.आर. की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। चुनाव आयोग ने भले बिहार में एस.आई.आर. हर दृष्टि से सफलतापूर्वक सम्पन्न किया और उसके आध ार पर विधानसभा चुनाव भी हो रहा है पर इसका यह अर्थ नहीं कि विरोधी इसे स्वीकार कर खामोश रहेंगे। 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में 28 अक्तूबर से 7 फरवरी तक चलने वाले एस.आई.आर. को लगातार विवादों में लाया जाएगा। ध्यान रखिए, जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गहन पुनरीक्षण अभियान हो रहा है उनमें अगले 3 वर्षों के अंदर विधानसभा चुनाव होने हैं। पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुड्डुचेरी में विधानसभा चुनाव 2026 में, गोवा, गुजरात, उत्तर प्रदेश में 2027 में और छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2028 में हैं। इसी में अंडेमान निकोबार व लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश हैं। अगले वर्ष असम में भी चुनाव हैं जबकि उसे शामिल नहीं किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का स्पष्टीकरण है कि भारतीय नागरिकता कानून में असम के लिए अलग प्रावधान है। उच्चतम न्यायालय की देखरेख में वहां नागरिकता की जांच लगभग पूरी होने वाली है। इसलिए असम के लिए अलग से संशोधन के आदेश जारी किए जाएंगे। भाजपा और उसके कुछ साथी दलों को छोड़कर अनेक विरोधी चुनाव आयोग को निशाना बनाएंगे और संभव है फिर यह मामला न्यायालय में जाए। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने बिहार में एस.आई.आर. पर रोक की अपील को स्वीकार नहीं किया। इसके लिए दिए गए ज्यादातर तथ्य गलत पाए गए। लेकिन जैसा हम जानते हैं पिछले काफी समय से भारत के चुनावों को विवादास्पद बनाने, उसे संदेह के घेरे में लाने की जिस तरह की कोशिश होती रही है वह जारी रहेगी। जिस तरह बिहार में इतने सशक्त, सघन और आक्रामक विरोधों तथा अस्वीकार्य आरोपों व लांछनों के बावजूद चुनाव आयोग ने अपना काम पूरा किया वैसे ही देश में भी यह पूरा होगा। जैसा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया इसके लिए एन्यूमरेशन फॉर्म को प्रिंट करने से लेकर राजनीतिक दलों के बी.एल.,बूथ लैवल एजेंट तथा सरकारी बी.एल.ओ. या बूथ लैवल आफिसर आदि का प्रशिक्षण 28 अक्तूबर से 3 नवम्बर तक चलेगा और उसके बाद 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक घर–घर जाकर मतदाताओं की जानकारी जुटाई जाएगी। दावे और आपत्तियों की अवधि 9 दिसंबर, 2025 से 8 जनवरी, 2026 होगी तथा 9 दिसंबर, 2025 को अंतरिम मतदाता सूची सार्वजनिक की जाएगी। सूचना चरण यानी सुनवाई और सत्यापन 9 दिसंबर, 2025 से 31 जनवरी, 2026 तक चलेगा तथा अंतिम सूची 7 फरवरी 2026 को जारी होगी। इसके बाद भी किसी को आपत्ति होगी तो वह निहित प्रक्रिया के तहत अपना नाम जुड़वा सकते हैं। संक्षेप में देखें तो जैसा बिहार में हुआ वही सभी राज्यों में होगा। यानी अभी तक की मतदाता सूचियों के मतदाताओं को बी.एल.ओ. द्वारा विशिष्ट गणना फार्म दिया जाएगा। जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में होंगे उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। जिनके माता–पिता के नाम सूची में होंगे उन्हें भी कोई अतिरिक्त दस्तावेज नहीं देना होगा। निश्चित रूप से दस्तावेज जुटाने में समस्याएं आती हैं। किंतु बिहार में अगर पात्र मतदाता वंचित नहीं रहे तो मान कर चलना चाहिए कि देश में भी ऐसा ही होगा। वास्तव में चुनाव आयोग की भूमिका समय–समय पर मतदाता सूची को अद्यतन करना है किंतु विशेष पुनरीक्षण अभियान सामान्य अद्यतन प्रक्रिया नहीं है। एक अंतराल के बाद मतदाता सूची में शामिल अनेक व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी होती है तो अनेक स्थान बदल लेते हैं। स्थान बदलने से कई बार एक व्यक्ति के नाम कई जगह शामिल हो जाते हैं। कुछ अवैध नाम भी मतदाता सूची में शामिल कर लिए जाते हैं। इस नाते इनका शुद्धिकरण आवश्यक होता है और यही एस.आई.आर. का लक्ष्य है। संविधान की धारा 326 के तहत कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रहे तो कोई अपात्र भी उसमें शामिल नहीं होना चाहिए। यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। जरा सोचिए, मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम 21 साल पहले 2002–04 में हुआ था। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का यह कहना सही है कि बिहार में एस.आई.आर. सफल रहा है। वहां एक भी अपील नहीं आई। इसका मतलब है कि चुनाव कर्मियों ने बढिया काम किया है। बिहार में कुल 68.66 लाख मतदाताओं के नाम कटे जबकि मतदाता सूची में 21,53,343 नए मतदाता शामिल किए गए हैं। राहुल गांधी से लेकर तेजस्वी यादव, सारे कम्युनिस्ट नेताओं ने इसे लेकर न जाने क्या–क्या कहा,पहले की मतदाता सूची में 22,34,136 मतदाता मृत पाए गए, 6.85 लाख मतदाताओं के नाम दोहरी प्रविष्टि वाले थे तो 36,44,939 मतदाताओं के स्थान स्थायी रूप से बदल चुके थे। राहुल गांधी और अनेक नेता, एक्टिविस्ट, पत्रकार आरोप लगाते ही हैं कि मोदी सरकार ने सारी संस्थाओं को अपने नियंत्रण में ले रखा है। इसलिए चुनाव में पराजित होने के बाद उनके द्वारा चुनाव आयोग को भी सरकार के नियंत्रण में काम करने वाली संस्था साबित करना बिल्कुल स्वाभाविक है।

क्या दूसरे चरण में और भी ज्यादा वोटिंग होगी?

विजय विद्रोही

पहली सूची 7.89 करोड़ वोटरों की थी जिसे घटाकर 7.42 करोड़ कर दिया गया। स्वाभाविक है कि एक भी वोट नहीं बढने की सूरत में भी वोट प्रतिशत में इजाफा होना ही है।

बिहार चुनाव के पहले चरण का मतदान पूरे चुनाव को जलेबी बना रहा है। पिछली बार से करीब 8 फीसदी ज्यादा वोटिग हुई है। अभी चुनाव आयोग का अंतिम आंकड़ा बाकी है। माना जा रहा है कि 2020 में जहां 57 फीसदी वोटिंग हुई थी इस बार अंतिम आंकड़ा 67 को छू सकता है। वैसे 2020 की इन्हीं सीटों की बात करें तो यह आंकड़ा तब का 46.7 था यानी इस बार जो मतदान हुआ वह इससे 17.96 फीसदी ज्यादा है। तो अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतना ज्यादा वोटर किसे निपटाने या किसे बचाने बूथ तक पहुंचा। पहले चरण में कुल 18 जिलों में मतदान हुआ इसमें से 10 जिलों में तो बम्पर वोटिंग हुई लेकिन बाकी 8 जिलों में भी पहले के मुकाबले ज्यादा वोटिंग हुई। इस का मतलब क्या निकाला जाए? एक तर्क यह है कि पूरे बिहार में कोई एक मुद्दा काम करता नजर आ रहा है। दूसरा तर्क यह है कि महिलाओं ने नीतीश कुमार को वोट दिया है। तीसरा तर्क है कि जेन–जी ने तेजस्वी यादव को नौकरी लगने का अग्रिम मिठाई वोट दिया है। कुछ लोग इसे सुनियोजित वोट चोरी से जोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि उन जिलों में सबसे ज्यादा वोटिंग हुई हैं जहां सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे तो शुरूआत इसी आरोप की पड़ताल से करते हैं। वोट प्रतिशत का बढना एस.आई.आर. के कारण संभव हो सका है। पहली सूची 7.89 करोड़ वोटरों की थी जिसे घटाकर 7.42 करोड़ कर दिया गया। स्वाभाविक है कि एक भी वोट नहीं बढने की सूरत में भी वोट प्रतिशत में इजाफा होना ही है। अब सवाल हो सकता है कि 10 फीसदी वोट एस.आई.आर. के कारण बढ़ा हो लेकिन बाकी का 8–10 फीसदी अतिरिक्त वोट किसका है, किस मुद्दे पर है, किसके खाते में गया है, एन.डी.ए. या महागठबंधन के हिस्से आया है या एन.डी.ए. में नीतीश और महागठबंधन में तेजस्वी के लिए आया है या फिर प्रशांत कुमार (पी.के.) की स्वराज पार्टी के पास जा रहा है। वैसे पी.के. ने चुनाव का माहौल बनाया और नौकरी, पलायन, आधे–अधूरे विकास जैसे मुद्दों को जोरदार ढंग से सामने रखा। इसके लिए बिहार की जनता पी.के. का शुक्रिया अदा तो करती है लेकिन क्या किंगमेकर की भूमिका में भी लाएगी या 5 साल इंतजार करने को कह रही है। महिला वोटर बड़ी तादाद में निकलीं। क्या मान कर चला जाए कि 10 हजारी योजना काम कर गई। जब तक चुनाव आयोग महिला वोटर का आंकड़ा सामने नहीं रखता तब तक निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। वैसे भी अगर पुरुषों के मुकाबले महिलाएं ज्यादा संख्या

में निकली हैं तो इसमें हैरानी की बात नहीं है। पिछली बार भी 60 फीसदी महिलाओं ने वोट दिया था जबकि पुरुष वोटर का प्रतिशत 54 ही था। दिलचस्प तथ्य है कि उस समय भी एन.डी.ए. को महागठबंधन के मुकाबले एक फीसदी ज्यादा ही महिला वोट मिला था जबकि महागठबंधन को एन.डी.ए. के मुकाबले दो फीसदी ज्यादा पुरुषों का वोट मिला था। इसका मतलब यह नहीं है कि 2025 में भी 2020 को दोहराया जाएगा लेकिन इतना तय है कि सवा करोड़ महिलाओं के खाते में कुल मिलाकर करीब 12 हजार करोड़ रुपए जमा करना नीतीश कुमार के हक में जरूर जाना ही चाहिए। अगर ऐसा है तो क्या अगली किस्त का ऐलान दूसरे चरण से पहले हो जाएगा और उसमें ज्यादा से ज्यादा जीविका दीदी को शामिल करने की कोशिश होगी। पहला चरण कुल मिलाकर नीतीश कुमार के नाम रहा है। ऐसा आमतौर पर कहा जा रहा है तो क्या वह एन.डी.ए. के सबसे बड़े दल के रूप में सामने आ सकते हैं। महिलाओं के साथ–साथ युवा वोटरों का उत्साह भी देखा गया। हमें यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि बिहार में 18 से 35 साल के युवा वोटरों की संख्या महिला वोटरों से ज्यादा है लेकिन युवा वोटरों में युवतियां भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि 10 हजारी महिला योजना के अलावा अगर किसी अन्य मुद्दे की चर्चा होती रही है तो वह तेजस्वी यादव के हर परिवार में एक को सरकारी नौकरी का वादा है। इसी तरह जीविका दीदी समूह की संयोजिका एक लाख दीदियों को 30 हजार रुपए की सरकार नौकरी देने की भी घोषणा की है। क्या कांटे के मुकाबले की आशंका ने दोनों गठबंधनों के मतदाताओं को प्रेरित किया? क्या यह डर हर जाति के मतदाता को खींच लाया कि अपनी–अपनी जाति के ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवारों को विधानसभा पहुंचाना है? कुछ का कहना है कि चूंकि एस.आई.आर. के बाद का पहला चुनाव था लिहाजा हर वोटर यह निश्चित कर लेना चाहता था कि उसका वोट पड़ जाए ताकि आगे के लिए कोई दिक्कत नहीं आए। पहले चरण की वोटिंग ने दोनों गठबंधनों को कोर्स करैक्शन का मौका दे दिया है। भाजपा को एहसास हो चला है नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करने का सियासी जुआ भारी भी पड़ सकता है। महागठबंधन के दलों में आपसी समन्वय की कमी को क्या पूरा करने की कोशिश की जाएगी।

उत्तराखंड नरेंद्र मोदी के हृदय में बसता है

तरुण विजय

हिमालय में संन्यासी बनते–बनते से लेकर उत्तराखंड निर्माण की रजत जयंती समारोह के उद्घाटन तक, नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन में एक पूरा हिमालय जी लिया है। गंगा–यमुना का प्रवाह उनकी आत्मा में है और उत्तराखंड जो आदि काल से वैदिक संस्कृति के लिए जाना जाता है, वही उनकी दृष्टि को दिशा देती है। राज्य के हर सुख–दुख में नरेंद्र मोदी इस हिमालयी राज्य के लोगों के साथ खड़े दिखे, तब भी जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उत्तराखंड ने जो भी आपदा झेली, नरेंद्र मोदी सबसे पहले मदद के लिए दौड़े और सभी जरूरी बचाव दल, सामग्री तथा राहत प्रदान की। वर्ष 2000 में दूरदर्शी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित यह राज्य पहाड़ी महिलाओं के अभूतपूर्व आंदोलन से गुजरा था। अटल जी ने ठीक ही कहा था कि इस राज्य का जन्म मां की शक्ति से हुआ है। मातृ–शक्ति ने नया राज्य बनाया, जिसमें बड़ी आकांक्षाएं और उम्मीदें थीं। हिमालयी राज्य की महिलाओं के सपनों को साकार करना बाकी है। कुख्यात मुलायम सिंह यादव सरकार के दौरान कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और महिलाओं पर क्रूर अत्याचार हुए। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के कुछ प्रमुख मील के पत्थर इस प्रकार हैं:

– खटीमा गोलीकांड (1 सितंबर 1994): शांतिपूर्ण जुलूस पर पुलिस ने अंधाधुंध गोली चलाई, जिसमें कम से कम सात कार्यकर्ताओं की मौत हुई।

– मसूरी गोलीकांड (2 सितंबर 1994): खटीमा कांड के विरोध में निकले एक अन्य जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें छह लोगों की मौत हुई, जिनमें महिला कार्यकर्ता बेलमती चौहान और हंसा धनै शामिल थीं।

– रामपुर तिराहा गोलीकांड (2 अक्टूबर 1994): दिल्ली प्रदर्शन के लिए जा रहे कार्यकर्ताओं को रोका गया और गोली चलाई गई; कम से कम छह लोग मारे गए और कई महिलाओं के साथ कथित तौर पर बलात्कार व छेड़छाड़ हुई। इसे आंदोलन के इतिहास का "काल दिवस" माना जाता है।

– श्रीयंत्र टापू गोलीकांड (10 नवंबर 1994): भूख हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने क्रूर हमला किया, दो की मौत हुई और उनके शव अलकनंदा नदी में फेंक दिए गए।

– कारावास और यातनाएं: कई कार्यकर्ताओं, जिनमें प्रमुख व्यक्तित्व इंद्रमणि बदोनी (जिन्हें "पर्वत गांधी" कहा जाता है) शामिल हैं, को जेल में डाला गया और उपवास व प्रदर्शनों के दौरान शारीरिक यातना दी गई।

उत्तराखंड प्रतिभाशाली व्यक्तियों और साहसी, निडर लोगों का खजाना रहा है। तीन हजार वर्ष पूर्व कई राजाओं ने अश्वमेध यज्ञ जैसे वैदिक अनुष्ठानों के लिए इसी स्थान को चुना था। आज भी राज्य में दो प्राचीन स्थल एएसआई द्वारा राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर संरक्षित हैं। इनमें से एक श्येन चिति अश्वमेध स्थल (उड़ते गरुड़ के आकार में बना अश्वमेध यज्ञ) देहरादून में है और दूसरा, जो ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी का है, पूरोला में। यमुना तट पर महाभारत कालीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध लखामंडल क्षेत्र में कर्ण को समर्पित मंदिर है, जो शायद भारत में एकमात्र है। नौवीं शताब्दी में कत्यूरी राजाओं द्वारा निर्मित कटारमल सूर्य मंदिर 44 मंदिरों का समूह है, जिसे ओडिशा के कोणार्क जितना महत्वपूर्ण माना जाता है। कोई भी हिंदू अपनी जिंदगी को बिना बद्रीनाथ–केदारनाथ दर्शन के पूरा हुआ नहीं मानता। यहीं भगीरथ ने शिव से गंगा प्राप्त की और आदि शंकराचार्य ने गंगा व शिव की स्तुति में प्रसिद्ध भजन लिखे तथा अंत में हिमालय के केदारनाथ क्षेत्र में निर्वाण प्राप्त किया। अलकनंदा और भागीरथी के संगम पर स्वर्गिक सुंदर देव प्रयाग में गंगा को अपना नाम मिलता है। शिव–पार्वती की प्रिय भूमि, मां नंदा देवी हमारी पुत्री भी हैं, जिन्हें मां के रूप में पूजा जाता है और हर बारहवें वर्ष 22 दिनों में 280 किमी की भव्य नंदा राज जात (मां नंदा की राजकीय यात्रा) होती है। गंगा तट पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग नगरी ऋषिकेश और हरिद्वार महाकुंभ स्थल लाखों तीर्थयात्रियों व योग प्रेमियों को आकर्षित करते हैं। अविभाजित उत्तराखंड ने दो प्रसिद्ध मुख्यमंत्री दिएदृ गोविंद बल्लभ पंत और नारायण दत्त तिवारी तथा वर्तमान में भी राज्य के मुख्यमंत्री, जो देश को प्रधानमंत्री देने के लिए जाना जाता है, उत्तराखंड से हैं। भारत

की रक्षा सेनाएं उत्तराखंड के वीर योद्धाओं के बिना अधूरी हैं। ब्रिटिश काल में गब्बर सिंह नेगी और दरवान सिंह नेगी को विक्टोरिया क्रॉस से लेकर परम वीर चक्र प्राप्त मेजर धन सिंह थापा और अमर किंवदंती राइफलमैन जसवंत सिंह रावत तक, देश को सबसे अधिक सैनिक देने वाले इस राज्य के बहादुर देशभक्त योद्धाओं की लंबी सूची है। भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत उत्तराखंड से थे और दूसरे जनरल अनिल चौहान भी। देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल डी.के. जोशी तथा पीएमओ व वैज्ञानिक संस्थानों में कई उच्च पदाधिकारी इसी राज्य से हैं। इस राज्य ने दुनिया को जो किंवदंतियां दी हैं, उन्हें नाम देना कठिन, यदि असंभव नहीं दृ नवीनतम महिला क्रिकेट सनसनी स्नेह राणा से लेकर प्रथम एवरेस्ट विजेता बछेंद्री पाल, ताशी और नुंगशी मलिक, अभिनव बिंद्रा, ऋषभ पंत, रस्किन बॉन्ड, नरेंद्र सिंह नेगी, बसंती बिष्टइ यह मां भारत की गौरव और सितारों की अनंत सूची है। गंगा तट से योग और आयुर्वेद को ध्रुवों तक ले जाने वाले बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण, गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने वाले महर्षि महेश योगी, प्रकृति के शाश्वत कवि सुमित्रानंदन पंत से लेकर हिंदू धर्म और सभ्यता के पुनर्जागरणकर्ता स्वामी रामतीर्थ और स्वामी विवेकानंद तक, सभी ने इस भूमि से गर्मजोशी और प्रेरणा पाई है। हमारे अपने समय में बाबा नीब करौरी, कैंची धाम दृ स्टीव जॉब्स के गुरु दृ ने इस हिमालयी राज्य की आभा को बढ़ाया है। देहरादून शहर स्वयं सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक और रक्षा संस्थानों, ज्ञान और विज्ञान के केंद्रों का घर है दृ ओएनजीसी, नौसेना हाइड्रोग्राफी, सर्वे ऑफ इंडिया, वन अनुसंधान संस्थान, इंडियन मिलिट्री एकेडमी और राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज का मुख्यालय यहीं है।

उत्तराखंड की रजत जयंती समारोह 9 नवंबर से शुरू हो रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य की महानता और गौरवशाली विरासत को नमन कर रहे हैं तथा लोगों के लिए नया, बेहतर, समृद्ध भविष्य बना रहे हैं। उनके उपहार अद्भुत हैं और उत्तराखंड को भारत का सबसे विकसित राज्य बनाने, इसे मजबूत देव भूमि और वीर भूमि बनाने में बहुत दूर तक जाएंगे।

वे पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 8140 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं। वे पीएम फसल बीमा योजना के तहत 28,000 से अधिक किसानों के खातों में सीधे 62 करोड़ रुपये भी जारी कर रहे हैं।

रजत जयंती कार्यक्रम के दौरान श्री मोदी 930 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और 7210 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

बिहार चुनाव में छाये रहे योगी बाबा

प्रेम शर्मा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देश ही नही बल्कि अन्य देशों में बुलडोजर बाबा की पहचान मिल चुकी है। बयानों में बिना लागलपेट पुख्ता बॉत रखने में माहिर योगी बाबा बड़े बड़े फैसले बिना राजनैतिक नफा नुकसान के लेने में माहिर है। बिहार चुनाव में एनडीए सरकार के प्रति जमीनी नाराजगी के बीच एनडीए गठबंधन ने चुनाव प्रचार के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्टार प्रचारक के रूप में उतर कर विपक्ष को बौखलाने पर मजबूर कर दिया। ये बात किसी से छिपी नहीं है कि सीएम योगी की छवि फायर ब्रांड नेता से ज्यादा एक हिन्दू हार्ड लाइनर नेता की है, ऊपर से उत्तर प्रदेश में उनके शासनकाल में कानून व्यवस्था से लेकर निवेश, उद्योग, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का जोरदार विकास हुआ है। अपने सख्त फैसले और ईमानदर छवि के साथ अपने काम के बूते सीएम योगी ने देश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। बिहार में जाति आधारित राजनीति और जाति के नाम पर मतदान का लंबा इतिहास रहा है। विपक्षी महागठबंधन भी जातीय समीकरण के सहारे जीत की पुरजोर कोशिश करता रहा है। योगी आदित्यनाथ बिहार विधानसभा चुनाव में जातीय विभाजन को तोड़कर हिन्दू वोटर्स को एकजुट करने में सफल दिख रहे हैं। पहले चरण के मतदान तक अपनी 90 प्रतिशत रैलियॉ निपटा चुके योगी बाबा की रैलियों में उमड़े युवाओं का सैलाब लगभग सौ सीटों पर एनडीए के लिए कारगार साबित होगा।फिलहाल पहले चरण में 121 सीटों पर रिकार्ड मतदान हो चुका है अब 122 सीटों पर 11 को मतदान होगा। ऐसे में अब तक योगी बाबा की रैलियों और भाषणों का असर बिहार की लगभग 80 विधानसभा सीटों नजर आ रहा है। ज्ञात होगा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ बिहार दौरे पर जाने की जानकारी खुद सीएम योगी ने ट्वीट कर दी थी। सीएम योगी ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि 'नमस्कार बिहार के बहिनों–बंधुगण! माता जानकी की पावन भूमि एवं भगवान बुद्ध की ज्ञान भूमि बिहार में आज दानापुर और सहरसा की जनता–जनार्दन के बीच जाकर संवाद करने का अवसर मिलेगा। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है. बिहार की विकास यात्रा को और अधिक गति, गरिमा और गौरव देने के लिए डबल इंजन की सरकार सतत आगे बढ़ती रहेगी।' बिहार चुनाव में बीजेपी प्रचार अभियान को धार देने के लिए यूपी के कई दिग्गजों को मैदान में उतारा, खासकर बीजेपी यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी। बिहार में 'उत्तर प्रदेश मॉडल' की दोहरानें यूपी के सीएम और हिंदुत्व के ध्वजवाहक सीएम योगी आदित्यनाथ को बड़े स्टार प्रचारक के रूप में उतारा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एनडीए के सबसे बड़े स्टार प्रचारक बिहार में नजर आए। सीएम योगी की डिमांड बिहार में सबसे ज्यादा रही। योगी आदित्यनाथ के अलावा यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और कुर्मी जाति से आने वाले स्वतंत्र देव सिंह भी बिहार चुनाव के मैदान में उतरा गया। सीएम योगी आदित्यनाथ को बिहार में सैकड़ों सीटों को प्रभावित करने की बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी सीएम योगी की बिहार चुनाव में 15 से अधिक रैलियां कर चुके है। बिहार के दोनों चरणों के चुनावों को मिलाकर सीएम योगी को लेकर स्थानीय उम्मीदवारों की भारी मांग के चलते कम से कम 25 चुनावी सभाओं की तैयारी की गई थी। पटना की दानापुर सीट से शुरू हुई बाबा योगी आदित्यनाथ 15 से अधिक रैलियॉ और रोड़ शो एनडीए के लिए लाभकारी साबित हो रहे है। एनडीए के लक्ष्य के अनुरूप योगी आदित्यनाथ अपनी रैलियों के माध्यम से 100 से 120 विधानसभा सीटों के मतदाताओं तक पहुंचने में सफल रहे।वैसे भी देश के किसी भी राज्य में चुनाव हो, सीएम योगी पार्टी के स्टार प्रचारकों में जरूर शामिल होते हैं। सीएम योगी ने हाल ही में हुए हरियाणा और दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी जमकर प्रचार और रैली किया था, जिसका असर चुनावी नतीजों में देखने को मिला था। सीएम योगी का स्ट्राइक रेट हमेशा बेहतर होता है। इसलिए अधिकांश उम्मीदवार भी यही चाहते हैं की सीएम योगी उनके क्षेत्र में प्रचार–प्रसार करें। सीएम योगी केवल यूपी में ही बुलडोजर बाबा के नाम से लोकप्रिय नहीं हैं। वो जहां भी रैली करने पहुंचते हैं, वहां–वहां पार्टी के समर्थक जेसीबी और बुलडोजर लेकर पहुंच जाते हैं। बिहार में यूपी की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दानापूर,सहरसा, रक्सौल, नरकटिया, लौरिया, ढाका, मोतीहारी, पिपरा और अतरी से लेकर हर रैली में युवाओ ंका जोश देखने वाला नजर आया। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दीदार करने जनसैलाब उमड़ा रहा। खचाखच भरे मैदान के साथ ही विभिन्न बिल्डिंगों की छतों, दीवारों व पेड़ों पर लोग खड़े रहे। पूरा जनसमुदाय बुलडोजर बाबा जिंदाबाद की गूंज से गुंजायमान रहा। लगभग हर रैली और सभा में जयश्री राम, बुलडोजर बाबा लिखी पट्टी लेकर युवाओं ने जनसभा स्थल पर सीएम योगी का अभिनंदन इस बॉत का संकेत है कि बाबा केवल यूपी नही बल्कि बिहार में भी काफी लोकप्रिय है।

आखिरी वक्त में कैसी थी एक्ट्रेस सुलक्षणा पंडित की हालत ? बहन विजयता का खुलासा- कई सर्जरी के बाद वह 16 साल तक बिस्तर पर थीं

> सुलक्षणा पंडित की बहन विजयता पंडित ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया, सुलक्षणा दीदी मेरी दूसरी मां जैसी थीं। कूल्हे की चोट और कई सर्जरी के बाद वह १६ साल तक बिस्तर पर रहीं। इतने सालों में मैंने और मेरे परिवार ने उनकी देखभाल की।

80 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस व सिंगर सुलक्षणा पंडित का 6 नवंबर को निधन हो गया था। उनके निधन से न सिर्फ उनके परिवार व करीबियों बल्कि म्यूजिक और फिल्म इंडस्ट्री में भी शोक की लहर दौड़ गई थी। बताया गया कि सुलक्षणा का निधन कार्डियक अरेस्ट से हुआ था। वहीं, अब दिवंगत एक्ट्रेस की बहन व मशहूर एक्ट्रेस विजयता पंडित ने उनके अंतिम दिनों के बारे में बताया कि आखिरी वक्त में सुलक्षणा पंडित की कैसी हालत थी। सुलक्षणा पंडित की बहन विजयता पंडित ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया, सुलक्षणा दीदी मेरी दूसरी मां जैसी थीं। कूल्हे की चोट और कई सर्जरी के बाद वह 16 साल तक बिस्तर पर रहीं। इतने सालों में मैंने और मेरे परिवार ने उनकी देखभाल की। हमने न सिर्फ घर का एक सदस्य बल्कि एक टैलेंटेड सिंगर और एक्ट्रेस को भी खो दिया है, जिन्होंने अपने समय के सभी बड़े नामों के साथ काम किया था। विजयता पंडित ने कहा, क्या यह विडंबना नहीं है कि सुलक्षणा का निधन संजीव कुमार की पुण्यतिथि (6 नवंबर, 1985) को हुआ? उनके गहरे रिश्ते और उनके प्रति उनके प्रेम के बारे में सभी जानते हैं।विजयता ने आगे कहा, संजीव कुमार को हमारे परिवार से बहुत लगाव था, लेकिन उनका रिश्ता कभी शादी में नहीं बदल पाया। दीदी जिंदगी भर कुंवारी रहीं क्योंकि संजीव कुमार उनसे शादी नहीं कर सके। दोनों कुंवारे रहे और मुझे लगता है कि कायनात ने उनके रिश्ते को एक बार फिर मंजूरी दे दी। सुलक्षणा दीदी का निधन भी उसी दिन हुआ जिस दिन संजीव कुमार का निधन हुआ था, 6 नवंबर को। बता दें, सुलक्षणा पंडित की संजीव कुमार संग उनके अफेयर और शादी के प्रपोजल की चर्चा खूब रही। संजीव कुमार ने सुलक्षणा की शादी का प्रपोजल ठुकरा दिया, जिसके बाद एक्ट्रेस ने कभी शादी नहीं की। संजीव कुमार भी सारी कुंवारे रहे। फिर सुलक्षणा की मौत भी उसी दिन हुई, जिस दिन संजीव कुमार की डेथ एनिवर्सरी थी। सुलक्षणा पंडित ने बतौर चाइल्ड प्लेबैक सिंगर करियर की शुरुआत की थी, और एक सफल सिंगर रहीं। बाद में उन्होंने साल 1975 में संजीव कुमार के साथ उलझन में एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह संकोच, हेराफेरी, अपनापन, खानदान और वक्त की दीवार जैसी फिल्मों में नजर आईं।

एआई की मदद से फिल्म पानी को दोबारा बनाएंगे शेखर कपूर, कहा-इस बार ये जरूर शुरू होगी

निर्देशक शेखर कपूर करीब एक दशक बाद चर्चित फिल्म श्पानीश को फिर से जीवंत करने की तैयारी में हैं, लेकिन इस बार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी (एआई) की मदद से बनाया जायेगा। हाल ही में इसे लेकर निर्देशक ने बताया कि वह फिल्म श्पानीश को एआई तकनीक के जरिए दोबारा बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। शेखर कपूर के अनुसार, कई लोगों ने कहा था कि यह फिल्म बहुत महंगी है। लेकिन अब मैं इसे एआई से बनाने जा रहा हूं, जो तेज और किफायती, दोनों है। इस बार फिल्म जरूर शुरू होगी। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म के मूल कलाकार एआई मॉडल के अनुसार बदले जा सकते हैं। गौरतलब है कि यह वही फिल्म है जिसमें दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को मुख्य भूमिका के लिए चुना गया था, लेकिन निर्माता यशराज फिल्म्स के हटने के बाद यह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई थी। निर्देशक ने अपनी दूसरी आगामी फिल्म श्मासूम 2श के बारे में भी जानकारी दी। 1983 में रिलीज हुई उनकी यह फिल्म मासूम का सीक्वल है। इसमें नसीरुद्दीन शाह और शबाना आजमी की वापसी होगी, साथ ही मनोज बाजपेयी और कुछ नए चेहरे भी शामिल होंगे। कपूर ने बताया कि उन्होंने स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में दो साल लगाए हैं और फिल्म की शूटिंग दिसंबर या जनवरी में शुरू होने की संभावना है। फिल्म निर्माण में एआई की भूमिका पर बोलते हुए शेखर कपूर ने कहा कि यह तकनीक अब हर क्षेत्र पर छा रही है। उन्होंने कहा अगर आपकी कहानी में अंदाजा लगाना मुमकिन हो तो एआई उसे आपसे बेहतर और जल्दी बना देगा। लेकिन बेहतरीन कहानियां और ऐसे किरदार जो नामुमकिन कर गुजरते हैं, ये वो चीजें हैं जो एआई नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, एआई दो मिनट में कहानी लिख सकता है, लेकिन सृजनशीलता की असली आत्मा उस अनिश्चितता में होती है जिसे एआई नहीं समझ सकता।

खुला आसमां, खूबसूरत वादियां..फिनलैंड में ठंड के मौसम का लुत्फ उठाती दिखीं वामिका गाबी, शेयर की मनमोहक तस्वीरें

बॉलीवुड और ओटीटी की टैलेंटेड एक्ट्रेस वामिका गब्बी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह कोई फिल्म नहीं, बल्कि उनका लेटेस्ट फोटोशूट है, जो उन्होंने फिनलैंड की बर्फीली वादियों में कराया है। सोशल मीडिया पर वामिका की ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनकी खूबसूरती तारीफ करते नहीं थक रहे। वामिका गब्बी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह ठंड के मौसम का लुत्फ उठाती नजर आ रही हैं। इस दौरान वह ग्रे कलर के ओवरसाइज स्वेटशर्ट और लूज ट्राउजर में बेहद स्टाइलिश और क्लासी लग रही हैं। इस लुक को कंप्लीट करने के लिए वामिका ने चंकी नेकपीस और सटल मेकअप चुना है। उनका स्मोकी आई मेकअप और खुले बाल उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। वामिका का ये अंदाज फैंस को इतना पसंद आया कि उनके कमेंट सेक्शन में प्यार और तारीफों की बाढ़ आ गई। वामिका गब्बी ने न केवल अपनी खूबसूरती से, बल्कि अपनी शानदार एक्टिंग से भी दर्शकों का दिल जीता है। हाल ही में वह राजकुमार राव के साथ फिल्म 'भूल चुक माफ' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके अभिनय की खूब सराहना हुई और यह बॉक्स ऑफिस पर सफल भी रही। वहीं अब वामिका जल्द ही दो नई फिल्मों में दिखाई देने वाली हैं। तमिल फिल्म 'जीनी' और प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म 'भूत बंगला'। इन दोनों फिल्मों को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है और सभी उनके नए किरदारों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन ने फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की 120 बहादुर के लिए लिखा दिल से नोट

ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर हाल ही में आए 120 बहादुर के ट्रेलर की तारीफ की है, जो एक्सेल एंटरटेनमेंट की आने वाली वॉर ड्रामा है। सुपरस्टार ने निर्माता फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के लिए एक दिल से लिखा नोट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लक्ष्य पर साथ काम करने की यादें साझा की हैं और उनकी नई फिल्म की ऊर्जा और बड़े पैमाने की सराहना भी की है। सोशल मीडिया पर ऋतिक ने लिखा, श्फरहान और रितेश३ मेरे दोस्तों, मैंने इतने सालों से आपको लगातार अपनी सीमाओं को पार करते और नई ऊँचाइयाँ छूते देखा है। मुझे लक्ष्य पर मेहनत और जोश याद है, लेकिन 120 बहादुर में जो जुनून मैं देख रहा हूँ, वह हर तरह से कुछ और भी बड़ा और बेहतर वादा करता है। मेरी सारी प्यार इस शानदार कास्ट, डायरेक्टर रजनीश, एक्सेल टीम के लिए और मेरे बहादुर दोस्त फरहान को बड़ा गले। मैंने 21 नवंबर का दिन अपने कैलेंडर में मार्क कर लिया है। वैसे, 120 बहादुर के लिए फैंस का प्यार हर दिन और बढ़ता जा रहा है। फिल्म का टीजर और ट्रेलर मिलाकर 200 मिलियन से ज्यादा बार देखे जा चुके हैं और सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा हो रही है। लोग इसे साल के सबसे दमदार और भावनात्मक ट्रेलर में से एक मान रहे हैं, जो रेजांग ला के हीरोज की बहादुरी और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बड़े पर्दे के शानदार अंदाज को बखूबी दिखाता है। 120 बहादुर 13 कुमाऊं रेजीमेंट के 120 भारतीय सैनिकों की अद्भुत बहादुरी को दिखाती है, जिन्होंने 1962 के युद्ध में प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई में अटूट हिम्मत के साथ जंग लड़ी। फरहान अख्तर इस फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी का किरदार निभा रहे हैं, वो निडर नेता जिन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर भारी मुश्किलों के बीच भारत के सैन्य इतिहास का सबसे वीर अध्याय लिखा था। ऐसे बता दें कि इस फिल्म के दिल में एक दमदार पंक्ति गूंजती है, हम पीछे नहीं हटेंगे। यह पंक्ति अडिग संकल्प और अटूट देशभक्ति को दर्शाती है। 120 बहादुर का निर्देशन रजनीश श्रेजीश घई ने किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रणवीर सिंह ने धुरंधर से शेयर किया अर्जुन रामपाल का फर्स्ट लुक, हाथ में सिगरेट और चेहरे पर चश्मा लगाए दिखा दमदार अंदाज

बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर चर्चा में हैं। जल्द ही इस फिल्म का ट्रेलर भी आउट होगा। इसी बीच रणवीर सिंह ने फिल्म श्धुरंधरश से अर्जुन रामपाल का लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो काफी वायरल हो रहा है। रणवीर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अर्जुन रामपाल का दमदार लुक शेयर किया। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, धुरंधर का ट्रेलर 12 नवंबर को 12.12 बजे आएगा। इस पोस्टर में अर्जुन रामपाल का इंटेंस लुक देखने को मिल रहा है। हाथ में सिगरेट, सीरीयस मूड और चश्मे में अर्जुन का यह किलर अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। बता दें, आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह के अलावा आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉडीशेमिंग पर यूट्यूबर की माफ़ी 'बनावटी', मलयालम फिल्म संघ ने कहा- गौरी किशन के साथ हम खड़े हैं

एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवीज आर्टिस्ट्स (एएमएमए) की अध्यक्ष श्वेता मेनन ने रविवार को कहा कि एक यूट्यूबर द्वारा अभिनेत्री गौरी जी. किशन के प्रति कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए मांगी गई माफी ''बनावटी'' लग रही है। मेनन की यह टिप्पणी यूट्यूबर द्वारा तमिलनाडु में हाल में एक प्रेस वार्ता के दौरान एक सवाल पूछने को लेकर अभिनेत्री से माफी मांगने के एक दिन बाद आई है। एक वीडियो संदेश में, यूट्यूबर ने दावा किया कि उनके सवाल को गलत समझा गया और उनका इरादा गौरी किशन को ठेस पहुंचाने का नहीं था। एसोसिएशन की अध्यक्ष ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनका बयान माफी मांगने जैसा था, उनके हाव-भाव कुछ और ही कह रहे थे। हम सभी महिलाएं, गौरी किशन के साथ खड़ी हैं, चाहे वह किसी भी उद्योग से हों। अभिनेता आदित्य माधवन, जो अपनी आगामी फिल्म श्अदर्सश की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी सह-कलाकार गौरी किशन के साथ एक यूट्यूबर द्वारा की गई बदतमीजी पर चुप रहे, ने उस समय कुछ न बोलने के लिए माफ़ी मांगी है। उन्होंने एनडीटीवी से कहा, षमैं गौरी से माफ़ी माँगना चाहता हूँ। मैं बोल सकता था।ष इस घटना के दौरान मंच पर फिल्म के निर्देशक अबिन हरिहरन भी मौजूद थे। आदित्य, जिन्होंने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और श्अदर्सश के साथ अपनी शुरुआत कर रहे हैं, ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि एक सार्वजनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कैसे प्रतिक्रिया दें। उन्होंने कहा, षकिसी की बात काटते समय बीच में टोकने से कोई फायदा नहीं होता। वह अपनी बात रख रही थीं और मैं बीच में नहीं बोलना चाहता था – वह उस जगह की मालिक थीं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें इसकी ज़रूरत थी। हमारी चुप्पी ही असली मुद्दा है। अपने अनुभवों पर विचार करते हुए, आदित्य ने बताया कि बचपन में उन्हें भी बॉडीशेमिंग का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा मैं एक मोटा बच्चा था, मैंने उस संघर्ष को झेला है। मुझे धमकाया गया था। हम बॉडीशेमिंग को बर्दाश्त नहीं करते,ष उन्होंने कहा और आगे कहा कि ऐसे मुद्दों पर बोलने में कभी देर नहीं होती – पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए। इस बीच, गौरी किशन ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि इस टकराव के दौरान कोई उनका बचाव करेगा। षमुझे नहीं लगता कि किसी को भी अपने लिए बोलने की ज़रूरत है – मैंने यह साबित कर दिया है,ष उन्होंने कहा, साथ ही यह भी कहा कि अगर आदित्य और उनके निर्देशक ने अपनी बात रखी होती तो इससे मदद मिलती। उन्होंने ऐसी स्थिति से निपटने में उनकी अनुभवहीनता को स्वीकार करते हुए कहा यह उनका पहला प्रोजेक्ट है, इसलिए कोई शिकायत नहीं है।

शाम की क्रेविंग? तला-भुना छोड़िए, झटपट बनाएं टेस्टी और हेल्दी बेक्ड चीज पोटैटो

शाम की हल्की भूख के लिए बेक्ड चीज पोटैटो एक परफेक्ट और स्वादिष्ट विकल्प है, जो सिर्फ 15-20 मिनट में तैयार हो जाता है। यह बच्चों और बड़ों दोनों को बेहद पसंद आएगा, क्योंकि यह तला-भुना नहीं बल्कि बेक्ड है और क्रीमी चीज के साथ आलू का बेहतरीन स्वाद देता है। इस आसान रेसिपी को अपनाकर आप हेल्दी और टेस्टी इवनिंग स्नैक्स का आनंद ले सकते हैं।

शाम के समय होने वाली क्रेविंग से हम सभी परेशान हो जाते हैं, अब क्या खाएं। शाम को हल्की-फुल्की भूख लगना आम बात है। ऐसे में हम सभी सोचते हैं क्या खाएं और क्या बनाएं। अक्सर इस समय कुछ ऐसा खाने की सोचते हैं जो स्वादिष्ट हो, बनाने में आसान हो और जिसे बच्चे और बड़े दोनों ही चाव से खाएं। यदि आप तला-भुना खाने से बचना चाहते हैं, तो आप एक बार बेक्ड चीज पोटैटो को जरुर बनाएं। यह बस 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाएगा। आलू में कार्बोहाइड्रेट होता है, जो आपको एनर्जी प्रदान करेगा। चीज का क्रीमी स्वाद चखकर मजा आ जाएगा। तो चलिए बिना देर किए आपको बताते हैं, इसकी रेसिपी।

बेक्ड चीज पोटैटो बनाने के लिए सामग्री

- आलूरू 4 से 5
- चीज (मोजरेला या चेडर), कद्दूकस किया हुआरू 1 कप
- प्याज (बारीक कटा हुआ)रू 2 बड़े चम्मच
- शिमला मिर्च (बारीक कटी हुई)रू 2 बड़े चम्मच

मसाले और सीजनिंग की सामग्री

- नमकरू स्वादानुसार
- काली मिर्च पाउडररू 1/2 छोटा चम्मच
- चिली फ्लेक्सरू 1/2 छोटा चम्मच
- ऑरिगैनोरू 1/2 छोटा चम्मच

ऑप्शनल सामग्री

- क्रीम या मेयोनीजरू 1 बड़ा चम्मच
- बारीक कटी हुई गाजर या स्वीट कॉर्नरू 2 बड़े चम्मच

कैसे बनाएं बेक्ड चीज पोटैटो

बेक्ड चीज पोटैटो बनाने के लिए सबसे पहले कुछ मीडियम साइज के आलुओं को उबाल लें। इस बात का ध्यान रखे कि आलू पूरी तरह गला न हो, बल्कि हल्के कड़क हो। आलू थोड़े ठंडे हो जाने के बाद , इन्हें बीच से दो हिस्सों में काट लें। अब एक चम्मच की मदद से आलू के बीच के हिस्से को थोड़ा सा निकाल लें, ताकि उसमें भरने के लिए जगह बन सके।

फिलिंग कैसे तैयार करें

अब आप आलू के बीच से निकाले गूदे को एक कटोरे में लें। इसमें अपनी पसंद की बारीक कटी हुई सब्जियां जैसे कि-प्याज, शिमला मिर्च और गाजर मिलाएं। अब इसमें मोजरेला चीज, थोड़ा-सा नमक, काली मिर्च, चिली फ्लेक्स और ऑरिगेनों डालकर अच्छे से मिला लें। अगर आप चाहे तो इसमें एक चम्मच क्रीम या मेयोनीज डाल सकते हैं।

इस तरह से करें बेकिंग

रैडी की गई फिलिंग को सावधानी से आलू के खाली किए गए हिस्सों में भर दें। अब ऊपर से थोड़ा और चीज डालें, जिससे यह बेक होने के बाद सुनहरा और खिंचाव वाला परत बन सके। इन आलुओं को एक बेकिंग ट्रे पर रख दें और पहले से प्री-हीट किए गए ओवन में 180°C पर लगभग 10 से 15 मिनट के लिए बेक करें। इन आलुओं को तब तक बेक करें जब तक चीज़ अच्छी तरह से पिघलकर सुनहरा न हो जाए। यह लीजिए तैयार है आपके बेक्ड चीज पोटैटो, इसे आप टोमेटो कैचअप के साथ गरमा-गरम खाएं। इसका स्वाद इतना क्रीमी और टेस्टी है कि, इसे आप बार-बार खाएंगे।

शुरू होने वाली है सर्दियां, बच्चों को ना पहनाएं जरूरत से ज्यादा कपड़े

सर्दियों में बच्चों को ठंड से बचाने के लिए सबसे जरूरी है उन्हें सही तरीके से लेयरिंग करके कपड़े पहनाना। यह तरीका न सिर्फ उन्हें गर्म रखता है बल्कि आरामदायक भी महसूस कराता है। ध्यान रखें कि बच्चे को ज्यादा कपड़े पहनाना और कम कपड़े पहनाना दोनों ही नुकसानदायक साबित होता है। इसलिए ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे की कवरिंग कम भी ना हो और ज्यादा भी ना हो, आइए जानते हैं कि बच्चों को सर्दी में कैसे तैयार करें

बेस लेयर

यह सबसे अंदर की परत होती है जो शरीर से सीधे संपर्क में रहती है। इसे हल्के, मुलायम और कॉटन या थर्मल फैब्रिक से चुनें। यह पसीना सोख लेती है और शरीर को सूखा रखती है। उदाहरण के लिए थर्मल टी-शर्ट या फुल-स्लीव बनियान।

मिड लेयर

यह परत गर्मी को बनाए रखने का काम करती है। इसमें स्वेटर, फ्लीस जैकेट या ऊनी पुलोवर शामिल करें। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत भारी न हो, ताकि बच्चा आसानी से हिल-डुल सके।

आउटर लेयर

यह बाहरी परत हवा और पानी से बचाव करती है। वॉटरप्रूफ जैकेट, विंडचीटर या पफर जैकेट सबसे बेहतर हैं। अगर बारिश या बर्फ पड़ती है तो यह लेयर बच्चे को पूरी तरह सुरक्षित रखती है।

एक्स्ट्रा एक्सेसरीज

टोपीः सिर और कानों को ढकने के लिए ऊनी टोपी जरूर पहनाएं।

दस्तानेः हाथों को गर्म रखें।

मोजेः ऊनी या थर्मल मोजे पहनाएं ताकि पैर ठंडे न हों।

स्कार्फः गले को ढकने के लिए हल्का स्कार्फ या मफलर लगाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें

बच्चे को ज्यादा लेयर में मत लपेटें, ताकि उसे घुटन न हो। अगर बच्चा पसीना महसूस करे या चेहरा लाल हो जाए तो एक लेयर कम कर दें। घर के अंदर आने पर भारी जैकेट या टोपी उतार दें ताकि शरीर का तापमान सामान्य रहे। सर्दियों में बच्चों को कपड़े पहनाते समय गर्मी और आराम दोनों का संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

क्या दूध पीने से बढ़ता है हार्ट अटैक का खतरा? स्टडी में हुआ बड़ा खुलासा

कई सालों से ये सवाल लोगों के मन में है कि क्या दूध पीने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है? कुछ लोग कहते हैं कि दूध में मौजूद फैट कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे ब्लॉकेज और हार्ट अटैक हो सकता है। लेकिन अब एक नई स्टडी ने इस धारणा को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है।

स्टडी में सामने आई सच्चाई

CARDIA नाम की एक लंबी रिसर्च स्टडी में 3,110 लोगों पर पूरे 25 साल तक निगरानी रखी गई। इनमें से लगभग 900 लोगों में कैल्शियम डिपोजिट यानी धमनियों में ब्लॉकेज बनने की समस्या पाई गई। लेकिन सबसे हैरानी की बात यह रही कि ये ज्यादातर वे लोग थे जो लो फैट मिल्क पीते थे। वहीं, जो लोग फुल फैट दूध पीते थे, उनके शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) का स्तर बना रहा, जो दिल के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसका मतलब ये हुआ कि दूध से हार्ट अटैक का खतरा इस बात पर निर्भर करता है कि आप कौन-सा दूध पी रहे हैं और कितनी मात्रा में पी रहे हैं।

क्या रोजाना फुल फैट मिल्क पीना सही है?

फुल फैट मिल्क में फैट की मात्रा ज्यादा होती है। अगर आप रोजाना बहुत ज्यादा मात्रा में फुल फैट दूध, दही, मलाई या घी का सेवन करते हैं, तो इससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है। हालांकि, रिसर्च के अनुसार, अगर दूध सीमित मात्रा में और संतुलित आहार के साथ लिया जाए तो यह शरीर को कैल्शियम, विटामिन डी और प्रोटीन प्रदान करता है, जो दिल की मांसपेशियों को मजबूत रखता है।

धूम्रपान और शराब का सेवनरू ये आदतें धमनियों को सिकोड़ देती हैं और ब्लॉकेज की संभावना बढ़ाती हैं।

हाई ब्लड प्रेशरः लगातार बढ़ा हुआ रक्तचाप दिल की मांसपेशियों पर दबाव डालता है।

हाई कोलेस्ट्रॉलः ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने से धमनियों में प्लाक जमता है।

डायबिटीजः ब्लड शुगर के असंतुलन से दिल की नसें कमजोर होती हैं।

मोटापा और सिडेंटरी लाइफस्टाइलः कम शारीरिक गतिविधि और गलत खानपान हार्ट डिजीज का बड़ा कारण है।

तनाव और अनिद्राः लगातार मानसिक तनाव दिल की धड़कन और रक्तचाप को प्रभावित करता है।

हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षण

सीने में भारीपन या दर्द महसूस होना

कंधे, गर्दन या बांहों में खिंचाव या दर्द

ठंडे पसीना आना

चक्कर या बेहोशी महसूस होना

मतली या उल्टी आना

घबराहट और बेचैनी बढ़ जाना

सांस लेने में कठिनाई होना

इन लक्षणों को कभी भी हल्के में न लें। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

हार्ट अटैक से बचाव के तरीके

धूम्रपान और शराब छोड़ेंः यह दिल की सेहत का सबसे बड़ा कदम है।

संतुलित आहार लेंः फल, सब्जियां, फाइबर और कम फैट वाले डेयरी प्रोडक्ट शामिल करें।

नियमित व्यायाम करेंः रोजाना 30 मिनट पैदल चलना भी बहुत फायदेमंद है।

तनाव कम करें और पर्याप्त नींद लेंः 7-8 घंटे की नींद दिल को स्वस्थ रखती है।

वजन पर नियंत्रण रखेंः मोटापा दिल की बीमारियों का सबसे बड़ा कारण है।

नियमित हेल्थ चेकअप कराएंः कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर की जांच करवाते रहें।

मेकअप को दें परफेक्ट बेस और लॉन्ग लास्टिंग फिनिश, इन घरेलू चीजों से बनाएं प्राइमर

महंगे केमिकल प्राइमर खरीदने की जगह अब आप घर पर ही नेचुरल इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करके अपना क्ल प्राइमर बना सकती हैं। एलोवेरा जेल, दूध या दही और बादाम का तेल जैसे देसी नुस्खे आपकी त्वचा को चिकना बेस देते हैं, जिससे फाउंडेशन लंबे समय तक टिका रहता है और आपकी जेब पर भी भारी नहीं पड़ता।

मेकअप करते समय हर एक चीज का ख्याल रखा जाता है। जब मेकअप किया जाता है तो स्किन को मॉइश्चराइज करने के बाद हम फाउंडेशन से भी पहले प्राइमर का इस्तेमाल किया जाता है। जिससे आपकी स्किन को एक स्मूथ बेस मिल सके और छोटे-मोटे दाग-धब्बों को छिपाने में सहायक होता है। मार्केट में कई ब्रांड्स के प्राइमर मिलते हैं, लेकिन वे काफी महंगे होते हैं। अगर आपके पास इन्हें लेने का बजट नहीं है, तो आप अपने पैसा बचाने के लिए कुछ प्रभावी तरीके अपना सकते हैं। कुछ नेचुरल व देसी इंग्रीडिएंट्स को बतौर प्राइमर यूज कर सकते हैं। महंगे और केमिकल वाले प्राइमर की जगह आप नेचुरल प्राइमर इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए आप किन चीजों को प्राइमर की जगह पर लगा सकते हैं।

एलोवेरा जेल

हर एक स्किन टाइप के लिए एलोवेरा जेल काफी लाभकारी होता है। यह प्रकार से नेचुरल प्राइमर है, इससे स्किन हाइड्रेटेड और फुलर महसूस होती है। एलोवेरा जेल के हल्की चिपचिपाहट फाउंडेशन या बीबी क्रीम को बेहतर तरीके से स्किन पर टिकने में मदद करता है। इससे आपका मेकअप लॉन्ग लास्टिंग बना रहता है। इसका यूज करने के लिए आपको एलोवेरा के पत्ते से ताजा जेल निकालना है। अब आप चेहरे पर बहुत ही पतली और बराबर परत लगाएं। इसको ज्यादा ना रगड़ें। इसको चेहरे पर फैलाएं और 1-2 मिनट के लिए छोड़ दीजिए।

दूध या दही

अगर आपको ड्राई या मैट स्किन चाहिए तो आप दूध या दही का प्रयोग प्राइमर के तौर पर कर सकते हैं। बता दें कि, दूध और दही में लैक्टिक एसिड होता,जो धीरे-धीरे डेड स्किन को सेल्स को हटाता है। यह आपकी स्किन स्किन को स्मूद करता है और फाउंडेशन आसानी से फैल जाता है। यह स्किन को पोषण और ग्लो भी देता है। आप कॉटन पैड को दूध में भिगोकर चेहरे पर स्वाइप करें, फिर इसे सूखने दें। दही को फेंटकर स्मूद कर लें। अब 2-3 मिनट के लिए एक पतली परत लगाएं। इसके बाद हल्का पानी से धोकर थपथपाकर सुखा लें।

बादाम का तेल

नेचुरल प्राइमर की तौर पर बादाम का तेल बेहतरीन है। हालांकि, आपको इसकी थोड़ी मात्रा में इस्तेमाल करें। ड्राई स्किन या सर्दियों में आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं, यह आपकी स्किन को सॉफ्ट बनाएगा। इसके इस्तेमाल के लिए आप 1-2 बूंद तेल को उंगलियों के बीच गर्म करें और सिर्फ ड्राई हिस्सों पर हल्के हाथों से मसाज करें।

संक्षिप्त

एनसीएलटी ने मारुति सुजुकी इंडिया के साथ सुजुकी मोटर गुजरात के विलय को मंजूरी दी

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के साथ सुजुकी मोटर गुजरात के विलय को मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी की दिल्ली स्थित दो सदस्यीय पीठ ने सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (हस्तांतरणकर्ता कंपनी) और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (हस्तांतरिती कंपनी) की संयुक्त याचिका को मंजूरी दे दी है। पीठ ने विलय योजना के लिए नियत तारीख एक अप्रैल, 2025 प्रस्तावित की है। न्यायाधिकरण ने कहा कि यह योजना दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों, उनके शेयरधारकों, लेनदारों, कर्मचारियों और सभी संबंधित पक्षों के हित में है, और मौजूदा योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा नहीं है। पीठ ने पाया कि आयकर विभाग और आधिकारिक परिसमापक, अहमदाबाद, ने इस विचाराधीन योजना के संबंध में अपनी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है। इसके अलावा, अन्य वैधानिक प्राधिकरण जैसे आरबीआई, सेबी, बीएसई और एनएसई ने भी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है। पीठ ने कहा, ''उपर्युक्त तथ्यों, विशेष रूप से संबंधित प्राधिकारियों के रुख, और सभी याचिकाकर्ता कंपनियों के सदस्यों और लेनदारों की स्वीकृति पर विचार करने के बाद इस योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा प्रतीत नहीं होती है।'' एनसीएलटी पीठ के अध्यक्ष रामलिंगम सुधाकर और सदस्य रवींद्र चतुर्वेदी ने अपने आदेश में कहा, ''ऐसे में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 के तहत याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा प्रस्तावित विलय की योजना को मंजूरी दी जाती है।

रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर 88.69 प्रति डॉलर पर

विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर 88.69 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच रुपये की धारणा कमजोर बनी हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.64 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 88.69 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के

मुकाबले 88.65 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.68 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 202.48 अंक चढ़कर 83,418.76 अंक पर जबकि निफ्टी 68.65 अंक की बढ़त के साथ 25,560.95 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64.05 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,581.34 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गोल्डमैन सैक्स ने भारत की रेटिंग बढ़ाई, निफ्टी के 2026 तक 29000 पर पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली। अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने भारत को लेकर अपना दृष्टिकोण सुधारते हुए रेटिंग न्यूट्रल से बढ़ाकर ओवरवेट कर दी है। यह कदम अक्तूबर 2024 में की गई पिछली डाउनग्रेड के उलट है। इसमें कहा गया है कि आय में वृद्धि की गति में मजबूती और नीतिगत सहयोग देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन दे रहे हैं। गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि इन कारकों से भारतीय इक्विटी बाजार आने वाले महीनों में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

निफ्टी के लिए 2026 के अंत तक 29000 का लक्ष्य

वैश्विक ब्रोकरेज ने बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी के लिए 2026 के अंत तक 29,000 का लक्ष्य रखा है। यह शुक्रवार के बंद से 14 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। सूचकांक में सालाना आधार पर 8.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लेकिन यह बढ़त अन्य उभरते बाजारों की तुलना में अपेक्षाकृत कम रही है।

आय का चक्र अपने निचले स्तर पर पहुंचा

संस्थान के विश्लेषक सुनील कौल के नेतृत्व में जारी रिपोर्ट में कहा गया कि देश की कमाई में गिरावट का चक्र अब अपने निचले स्तर पर पहुंच चुका है और अब रिकवरी का दौर शुरू हो रहा है।

इन सुधारों का पड़ा असर

इसमें कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को वृद्धि समर्थक नीतियों से बल मिल रहा है। इनमें भारतीय रिजर्व बैंक की दरों में संभावित कटौती, तरलता में ढील, बैंकिंग विनियमन में सुधार, जीएसटी सुधार और राजकोषीय सख्ती की धीमी गति जैसे कदम शामिल हैं।

सितंबर तिमाही के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे

गोल्डमैन सैक्स ने अपने नोट में बताया कि सितंबर तिमाही के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे हैं, जिससे कई सेक्टरों में कमाई के अनुमान को ऊपर की ओर संशोधित किया गया है। संस्था ने कहा कि आने वाले महीनों में वित्तीय सेवाएं, उपभोक्ता वस्तुएं, टिकाऊ सामान, ऑटोमोबाइल, रक्षा, तेल विपणन कंपनियां, इंटरनेट और दूरसंचार क्षेत्र इस रिकवरी की अगुवाई करेंगे। वहीं, आईटी, फार्मा, इंडस्ट्रियल्स और केमिकल्स जैसे निर्यात–उन्मुख सेक्टरों पर संस्था ने सतर्क रुख बनाए रखा है।

मलिंगा–बोल्ट या राशिद नहीं, हाशिम अमला ने इस भारतीय को बताया IPL का सबसे मुश्किल गेंदबाज

अमला के बयान ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जसप्रीत बुमराह की प्रतिभा का दुनिया भर के दिग्गज लोहा मानते हैं। जहां बुमराह अपनी धारदार यॉर्कर और सटीक लाइन–लेंथ के लिए मशहूर हैं, वहीं अमला जैसे क्लास बल्लेबाज से यह तारीफ मिलना उनके प्रभाव का सबूत है।

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला ने अंतरराष्ट्रीय करियर में कई रिकॉर्ड्तोड़े और बनाए। उनकी क्लासिक बैटिंग स्टाइल हर किसी का मन मोह लेती थी। हालांकि, उन्हें आईपीएल में ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला। हालांकि, अमला ने अब एक बड़ा खुलासा किया है और बताया है कि दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग में उन्हें किस गेंदबाज का सामना करना सबसे मुश्किल लगा। अमला ने भारत के जसप्रीत बुमराह को सबसे मुश्किल गेंदबाज बताया और कहा कि उन्हें सिर्फ बुमराह का सामना करना सबसे मुश्किल लगा। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अमला ने बुमराह की जमकर तारीफ की और उन्हें दुनिया के सबसे स्किलफुल ऑल–फॉर्मेट गेंदबाज बताया।

बुमराह को गेंदबाजी करते देखना ही सुंदर अनुभव है

अमला ने कहा, शबिलकुल बुमराह। वह शानदार गेंदबाज हैं और आप देख सकते हैं कि भारत के लिए उन्होंने कितनी शानदार गेंदबाजी की है। मेरे लिए वह सबसे मुश्किल प्रतिद्वंद्वी थे। बुमराह न सिर्फ तेज गेंदबाजी करते हैं बल्कि उनकी विविधता और नियंत्रण अद्भुत है। उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखना अपने आप में एक खूबसूरत एहसास है।श बुमराह को अमला ने तकनीकी दृष्टि से सबसे कठिन गेंदबाज बताया, जो किसी भी बल्लेबाज को असमंजस में डाल सकते हैं।

IPL में अमला का शानदार रिकॉर्ड

हाशिम अमला ने आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के लिए 2016 और 2017 सीजन खेले। उन्होंने कुल 16 पारियों में 577 रन

बनाए और उनका औसत 44.28 का रहा। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 141.76 का रहा। अमला ने आईपीएल में दो शतक भी लगाए थे और अपनी क्लासिक बल्लेबाजी से भारतीय दर्शकों का दिल जीता था।

अगर दोबारा मौका मिले, तो किस टीम के लिए खेलेंगे?

पॉडकास्ट के दौरान जब अमला से पूछा गया कि अगर उन्हें दोबारा आईपीएल खेलने का मौका मिले तो किस टीम के लिए खेलना चाहेंगे? इस पर उन्होंने कहा, सभी टीमों के लिए खेलना सम्मान की बात होगी, लेकिन मैं शायद मुंबई इंडियंस को चुनूंगा। मैंने दक्षिण अफ्रीकी लीग में एमआई की फ्रेंचाइजी के साथ कोचिंग की है और देखा है कि वह कितनी पेशेवर और व्यवस्थित टीम है। इसके अलावा, चेन्नई सुपर किंग्स भी एक बेहतरीन फ्रेंचाइजी है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि यही दोनों टीमें आईपीएल की सबसे सफल टीमें हैं।

अमला का शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर

हाशिम अमला ने 2023 में क्रिकेट से संन्यास लिया। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 18,000 से अधिक रन बनाए। सभी प्रोफेशनल प्रारूपों को मिलाकर उनके नाम 34,104 रन दर्ज हैं, जिनमें से 9,282 रन टेस्ट क्रिकेट में आए। यह आंकड़ा उन्हें जैक कैलिस के बाद दक्षिण अफ्रीका का दूसरा सबसे बड़ा रन–स्कोरर बनाता है। उन्होंने टेस्ट में 28 शतक और एक ट्रिपल सेंचुरी (द. अफ्रीका के इतिहास में एकमात्र) बनाई।

राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन के ट्रेड पर बदला रुख, अब जडेजा के साथ एक और खिलाड़ी की मांग

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की तैयारियों के बीच राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच संभावित बड़े ट्रेड की चर्चा ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स अपने कप्तान संजू सैमसन को ट्रेड करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अब टीम ने इस सौदे की शर्तें बदल दी हैं।

जडेजा का नाम तय, दूसरे खिलाड़ी पर असमंजस

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स ने रवींद्र जडेजा का नाम ट्रेड में फाइनल कर दिया है। हालांकि, दूसरे खिलाड़ी को लेकर दोनों टीमों के बीच अब भी सहमति नहीं बन पाई है। जहां राजस्थान रॉयल्स ने मथीशा पथिराना को ट्रेड में शामिल करने की मांग की है, वहीं चेन्नई सुपर किंग्स इस प्रस्ताव से सहमत नहीं है। सीएसके की ओर से यह भी कहा गया है कि पथिराना टीम की भविष्य की योजनाओं में अहम भूमिका निभा रहे हैं और वे उन्हें छोड़ना नहीं चाहते।

सीएसके ने पहले दिया था सैम करन का प्रस्ताव

जानकारी के मुताबिक, जब राजस्थान रॉयल्स ने जडेजा के साथ एक और खिलाड़ी की मांग की, तो सीएसके ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन का नाम पेश किया। हालांकि, आरआर का रुख साफ था। उन्हें करन नहीं, बल्कि पथिराना चाहिए। इस मसले पर एमएस धोनी, कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग के बीच लंबी चर्चा हुई। इसके बाद ही सीएसके ने जडेजा को शामिल करने की सहमति दी, वो भी

खिलाड़ी की खुद की मंजूरी मिलने के बाद।

जडेजा की वापसी की संभावना

गौरतलब है कि रवींद्र जडेजा आईपीएल के शुरुआती दो सीजन में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रह चुके हैं। हालांकि, बाद में वे चेन्नई सुपर किंग्स के साथ लंबे समय से जुड़े हुए हैं और टीम के मुख्य स्तंभ बन गए हैं।

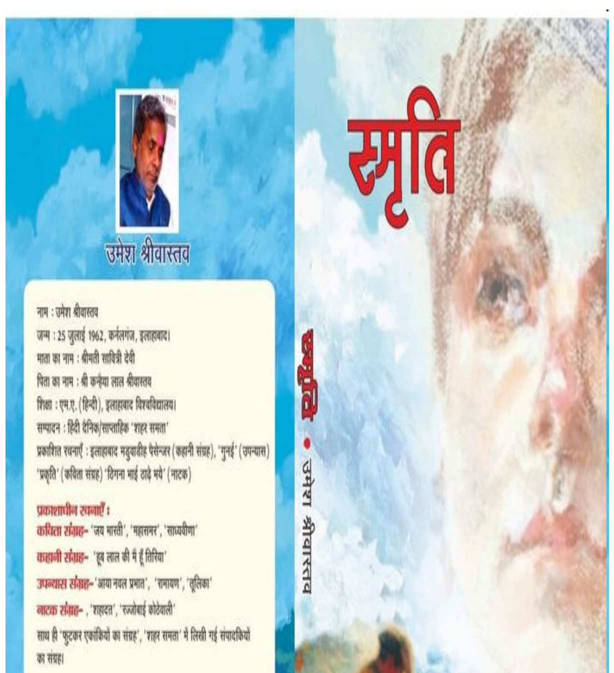

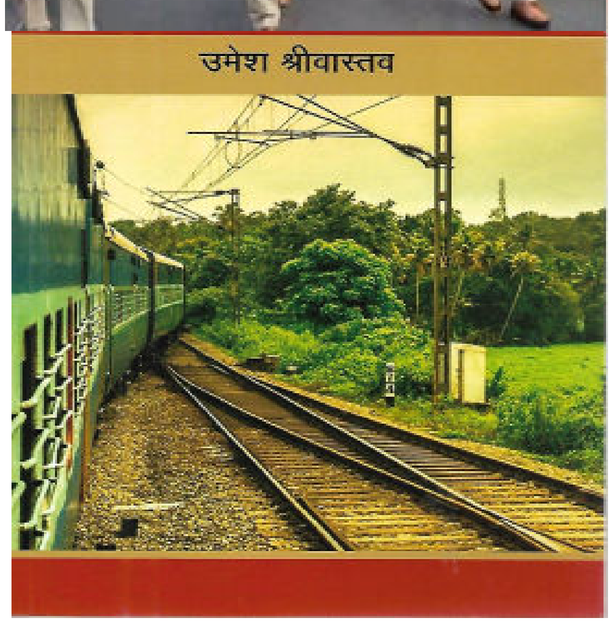

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

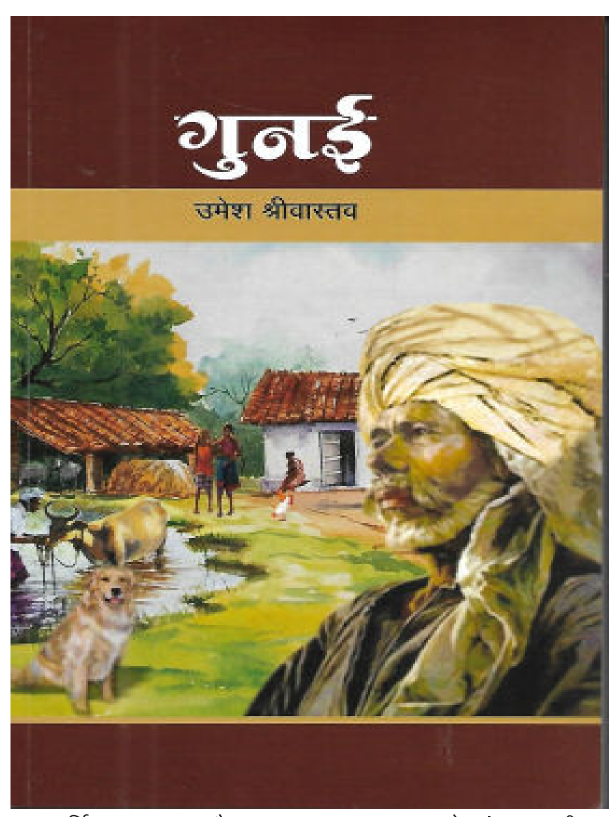

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

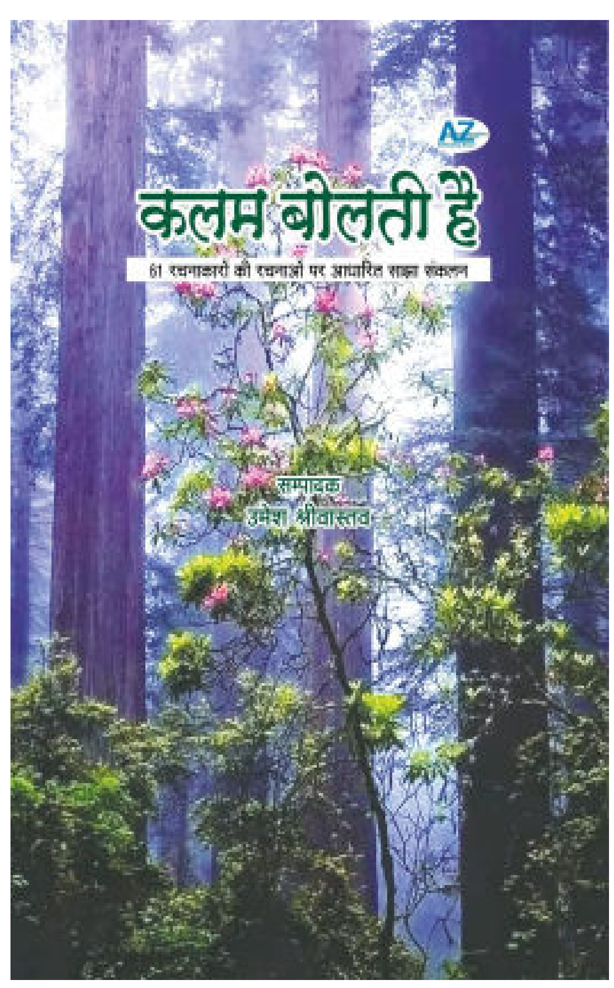

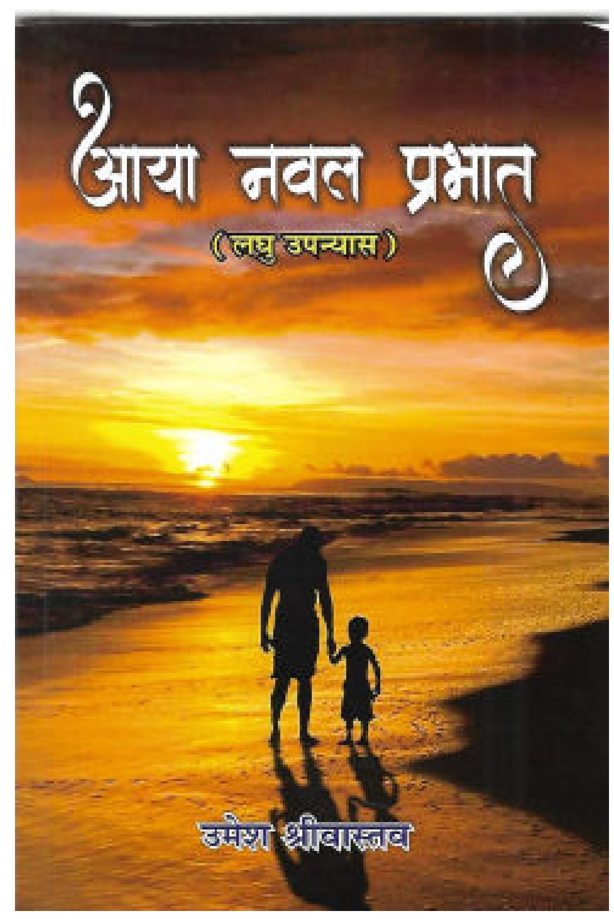

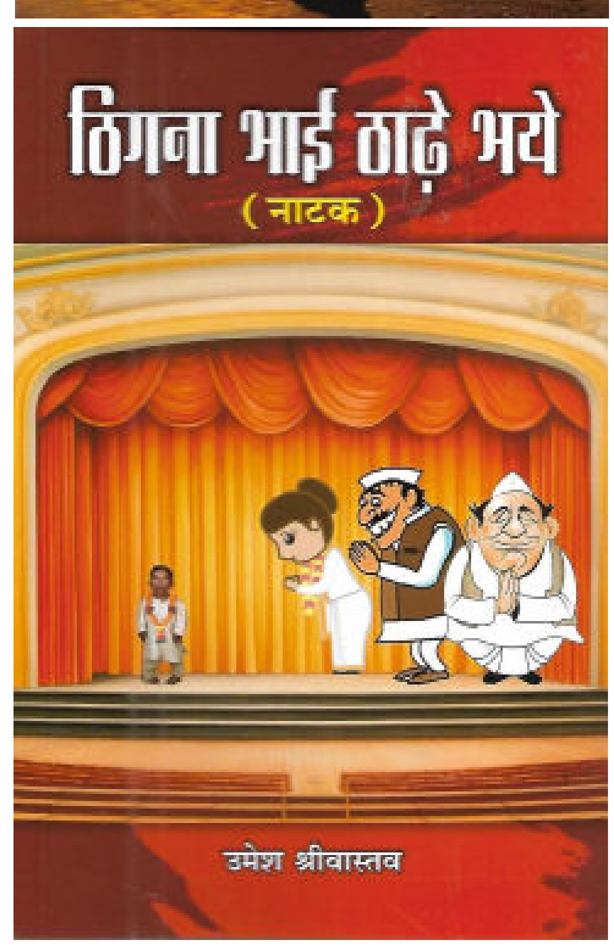

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति 19 दिन से सजा काट रहे, जहर की धमकी मिली, अब मछली–दही पर गुजारा

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी पिछले तीन हफ्ते से पेरिस की हाई–सिक्योरिटी ला सांते जेल में हैं। उन्हें 25 सितंबर को लीबिया फंडिंग केस आपराधिक साजिश के आरोप में 5 साल की सजा सुनाई गई थी। आरोप है कि 2007 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उन्होंने लीबिया से अवैध फंडिंग की साजिश रची। 21 अक्टूबर को जेल भेजे जाने के बाद से सरकोजी वहीं हैं। 70 वर्षीय सरकोजी जेल के अंदर साधारण कैदी की तरह रह रहे हैं। अपना सेल खुद साफ करते हैं और

सामान्य कैदियों से दूर हाई सिक्योरिटी सेक्शन में हैं। धमकियों के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई है। खाने को लेकर वे बेहद सतर्क हैं– वे जेल का परोसा खाना नहीं लेते और कैंटीन से खरीदा फ्राई टूना (मछली) और योगर्ट (दही) ही खाते हैं। बता दें कि सरकोजी को 2007 के चुनाव में लीबिया से अवैध धन लेने की साजिश में दोषी पाया गया। कोर्ट ने कहा, उन्होंने और उनके सहयोगियों ने गद्दाफी शासन से गुप्त मुलाकातें कीं और अवैध फंडिंग की तैयारी की थी। भले ही पैसे के सीधे उपयोग का प्रमाण नहीं मिला, पर साजिश का अपराध साबित हुआ। पेरिस कोर्ट सरकोजी के अर्ली रिलीज (जल्द रिहाई) पर फैसला सुनाएगी। फ्रांस के आपराधिक कानून की धारा 144 कहती है कि अपील के दौरान रिहाई सामान्य नियम है, जेल में रखना अपवाद। अगर कोर्ट को लगे कि सरकोजी फरार नहीं होंगे, गवाहों या सबूतों को प्रभावित नहीं करेंगे, तो उन्हें शर्तों के साथ ज्युडिशियल सुपरविजन में छोड़ा जा सकता है।

लॉरेंस बिश्नोई, नंदू गैंग को झटका, यूएस और जॉर्जिया से गिरफ्तार हुए दो कुख्यात गैंगस्टर

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए देश के दो सबसे वांछित गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है, जो विदेश से अपनी गतिविधियाँ चला रहे थे। हरियाणा पुलिस सहित कई सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने जॉर्जिया में वेंकटेश गर्ग और अमेरिका में भानु राणा की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। राणा कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा माना जाता है। अधिकारियों ने कहा कि दोनों भगोड़ों को जल्द ही भारत प्रत्यर्पित कर दिया जाएगा। वर्तमान में, दो दर्जन से अधिक शीर्ष भारतीय गैंगस्टर विदेशों से अपनी गतिविधियाँ चला रहे हैं, जहाँ वे सदस्यों की भर्ती करते हैं और दूर से ही आपराधिक गिरोहों का प्रबंधन करते हैं। गर्ग और राणा की गिरफ़्तारियों से उनके आपराधिक कारनामों और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के बारे में अहम जानकारी मिली है। हरियाणा के नारायणगढ़ निवासी गर्ग के ख़िलाफ़ भारत में 10 से ज़्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। गुरुग्राम में एक बसपा नेता की हत्या में शामिल होने के बाद वह जॉर्जिया भाग गया था। विदेश से उसने कथित तौर पर गैंगस्टर कपिल सांगवान के साथ मिलकर एक जबरन वसूली गिरोह चलाया था, जो विदेश में ही रहता है। अक्टूबर में, दिल्ली पुलिस ने शहर के एक बिल्डर के घर और फार्महाउस पर हुए हमलों से जुड़े सांगवान के चार शूटरों को गिरफ़्तार किया था। इस बीच, मूल रूप से हरियाणा के करनाल का रहने वाला भानु राणा लंबे समय से संगठित अपराध में सक्रिय है। उसका नेटवर्क हरियाणा, पंजाब और दिल्ली तक फैला हुआ है, और पंजाब में हुए एक ग्रेनेड हमले की जाँच के दौरान उसका नाम सामने आया था। इससे पहले जून में करनाल में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने दो लोगों को ग्रेनेड, पिस्तौल और गोला–बारूद के साथ गिरफ्तार किया थाकृकथित तौर पर राणा के निर्देश पर।

टेक्सास में एक कंपनी में युवक ने तीन सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या की, खुद को भी मारी गोली

अमेरिका में टेक्सास राज्य के सैन एंटोनियो में एक कंपनी में 21 वर्षीय व्यक्ति ने अपने तीन सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। प्राधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी ली। सैन एंटोनियो पुलिस विभाग के अनुसार, शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित कंपनी में शनिवार को गोलीबारी में दो पुरुषों और एक महिला की मौत हो गयी। 'केएसएटी–टीवी' की खबर के मुताबिक, जब सुबह करीब आठ बजे गोलीबारी हुई तो अन्य कर्मचारी घटनास्थल से भाग गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके को घेर लिया और कुछ घंटों बाद उन्हें हमलावर मृत अवस्था में मिला, जिसके शरीर पर गोली का घाव था। पुलिस ने हमलावर की पहचान जोस हर्नांदेज गालो के रूप में की है। गोलीबारी के मकसद का अभी तक पता नहीं चल सका है। जांच अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

मछली पकड़ने वाली चीनी नौका दक्षिण कोरिया के पास पलटी, नौ लोग लापता

दक्षिण कोरिया के दक्षिण–पश्चिमी तट पर मछली पकड़ने वाली एक चीनी नौका के पलट जाने से उसके चालक दल के नौ सदस्य लापता हो गए। दक्षिण कोरिया के बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

भारत के खिलाफ पाकिस्तान ने रची नई साजिश, बांग्लादेश की धरती से हमला करने की तैयारी में जुटा लश्कर–ए–तैयबा

ताज़ा खुफिया जानकारी ने भारत की सुरक्षा एजेंसियों को चिंतित कर दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा अब भारत पर हमलों के लिए बांग्लादेश को नए लॉन्चपैड के रूप में विकसित करने की कोशिश में है। बताया जा रहा है कि यह योजना अंतरराष्ट्रीय आतंकी हाफ़िज़ सईद के नेतृत्व में चल रही है। हम आपको बता दें कि यह खुलासा एक वीडियो रिकॉर्डिंग से हुआ है, जो 30 अक्टूबर को पाकिस्तान के खैरपुर तमीवाली में हुई एक रैली का है। इस रैली में लश्कर के वरिष्ठ कमांडर सैफुल्लाह सैफ ने खुलकर कहा कि "हाफ़िज़ सईद चुप नहीं बैठा है; वह बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमला करने की तैयारी कर रहा है।" उसने दावा किया कि लश्कर के कार्यकर्ता पहले से ही "पूर्वी पाकिस्तान यानी बांग्लादेश" में सक्रिय हैं और वे "ऑपरेशन सिंदूर" का जवाब देने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाफिज सईद ने अपने एक विश्वस्त सहयोगी को बांग्लादेश भेजा है, जिसका काम वहां के युवाओं को "जिहाद" के नाम पर उकसाना और आतंकवादी प्रशिक्षण देना है। वीडियो में सैफुल्लाह को खुलेआम भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने का आह्वान करते देखा गया। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि उस कार्यक्रम में बच्चे भी मौजूद थे, जिससे यह स्पष्ट है कि आतंकी संगठन नाबालिगों को भी 'जिहाद' के नाम पर ब्रेनवॉश करने की कोशिश में हैं। सैफुल्लाह सैफ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान की सेना भारत की कार्रवाई यानि "ऑपरेशन सिंदूर" का जवाब दे चुकी है। उसने यह भी दावा किया कि "अब अमेरिका हमारे साथ है और बांग्लादेश फिर से पाकिस्तान के करीब आ रहा है।" इस बयान से यह संकेत मिलता है कि लश्कर न केवल आतंकवादी मोर्चे पर बल्कि भू–राजनीतिक प्रचार युद्ध में भी सक्रिय है। भारत की खुफिया एजेंसियों ने इस जानकारी को बेहद गंभीरता से लिया है और अब बांग्लादेश सीमा से होने वाली घुसपैठ पर निगरानी बढ़ा दी गई है। देखा जाये तो भारत की सुरक्षा व्यवस्था के सामने यह खबर एक बहुआयामी खतरे की घंटी के समान है। अब तक भारत की आतंकवाद–रोधी

रणनीति का प्रमुख फोकस पश्चिमी सीमा यानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पंजाब सीमा पर रहा है। किंतु इस ताज़ा खुलासे से यह स्पष्ट है कि लश्कर–ए–तैयबा अब भारत के पूर्वी छोर, यानी बांग्लादेश की दिशा में एक नया आतंकवादी मोर्चा खोलने का प्रयास कर रहा है। यह रणनीतिक बदलाव केवल एक आतंकवादी चाल नहीं, बल्कि पाकिस्तान की राज्य–प्रेरित भू–राजनीतिक नीति का विस्तार है। पाकिस्तान लंबे समय से भारत के भीतर अस्थिरता फैलाने के लिए प्रॉक्सी वार का सहारा लेता आया है। जब पश्चिमी सीमा पर भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई और कूटनीतिक दबाव से उसकी गतिविधियाँ सीमित हुईं, तब उसने अब एक नया 'पूर्वी गलियारा' तलाशने की कोशिश की है। हम आपको याद दिला दें कि हाल ही में बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का प्रकोष्ठ स्थापित करने की घोषणा की गयी थी। यह बात तब सामने आई थी जब पाकिस्तानी सेना के एक शीर्ष जनरल ने कुछ समय पहले बांग्लादेश का दौरा किया था। दूसरी ओर, भारत के लिए चिंता की बात यह है कि बांग्लादेश की सीमा अपेक्षाकृत शांत रही है लेकिन अब यहां निगरानी और बढ़ानी होगी। अब सुरक्षा एजेंसियों को पश्चिमी मोर्चे की तरह पूर्वी मोर्चे पर भी संवेदनशीलता और सतर्कता बढ़ानी होगी। इससे सीमा सुरक्षा बल (ठैथ) और खुफिया तंत्र पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। देखा जाये तो बांग्लादेश से भारत में अवैध घुसपैठ और सीमांत व्यापार पहले से ही एक सामाजिक–आर्थिक चुनौती रहा है। यदि इसी चौनल से आतंकवादी घुसपैठ करने लगें तो असम, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा जैसे राज्यों में आंतरिक सुरक्षा संकट पैदा हो सकता है। यदि लश्कर का नेटवर्क बांग्लादेश में पैर पसारता है, तो यह पूरे दक्षिण एशिया में कट्टर इस्लामी उग्रवाद के लिए नया प्रजनन केंद्र बन सकता है। इससे भारत के सीमांत क्षेत्रों में भी सांप्रदायिक तनाव बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा, सैफुल्लाह का "अमेरिका हमारे साथ है" वाला दावा भले झूठा हो, पर यह दर्शाता है कि पाकिस्तान प्रचार युद्ध के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय धारणा बदलने की कोशिश कर रहा है। भारत को इस स्तर पर राजनयिक प्रत्युत्तर देना होगा ताकि पाकिस्तान के झूठे दावों का खंडन वैश्विक मंचों पर प्रभावी रूप से हो सके। साथ ही वीडियो में बच्चों की मौजूदगी का तथ्य केवल नैतिक रूप से नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी खतरनाक संकेत देता है। यह स्पष्ट है कि लश्कर जैसे संगठन अब आने वाली पीढ़ी को भी "जिहाद" के नाम पर प्रशिक्षित कर रहे हैं। यह भारत के लिए सबसे कठिन चुनौती है क्योंकि यह मानसिक युद्ध का हिस्सा है, जिसमें आतंकवाद केवल हथियारों से नहीं, विचारों से फैलाया जा रहा है। भारत को इस उभरते खतरे से निबटने के लिए सीमा निगरानी, ड्रोन सर्विलांस और इंटर–एजेंसी समन्वय को और मज़बूत करना होगा।

बहरहाल, हाफ़िज़ सईद और उसके संगठन की यह नई साज़िश इस बात का प्रमाण है कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान का आतंकवादी तंत्र अब भूगोल बदल रहा है, पर लक्ष्य वही हैकृ भारत को अस्थिर करना। यह खतरा केवल सीमांत सुरक्षा का नहीं, बल्कि राष्ट्र की रणनीतिक एकता और मानसिक दृढ़ता का भी परीक्षण है। भारत को इस चुनौती का सामना न केवल सैनिक शक्ति से, बल्कि कूटनीतिक दूरदर्शिता और वैचारिक दृढ़ता से भी करना होगा। चूंकि आतंक की दिशा बदली है, पर लक्ष्य नहींकृ इसलिए भारत को अपनी रणनीति को भी उतनी ही लचीलापन और तीव्रता से बदलना होगा।

हजारों हिंदुओं को मारने के लिए चीन से ये क्या लाया अहमद ? जिंदा पकड़े गए आतंकी पर सबसे बड़ा खुलासा !

सैयद अहमद मोहयुद्दीन नाम का डॉक्टर अगर पकड़ा नहीं जाता तो यह हजारों भारतीयों को शायद मार चुका होता। सैयद अहमद ने चीन से एमबीबीएस यानी डॉक्टरी की पढ़ाई की है। लेकिन ये पढ़ाई शायद लोगों को बचाने के लिए नहीं बल्कि बड़ी संख्या में लोगों को मारने के लिए की गई थी। चीन से डॉक्टर की डिग्री लेने वाले सैयद अहमद ने हजारों भारतीयों को मारने के लिए एक खतरनाक जहर बनाने का काम शुरू कर दिया था। इसने जहर बनाने के लिए अपनी लैब में सारा सामान इकट्ठा करना शुरू कर दिया था। एटीएस ने बताया कि आरोपी सैयद ने जरूरी शोध शुरू कर दिया था, उपकरण और कच्चा माल जुटा लिया था और शुरुआती रासायनिक प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। जोशी ने कहा कि सैयद, शेख व सलीम हथियारों की अदला–बदली के लिए गुजरात

में थे। पूछताछ में सैयद ने बताया कि उसका आका अबू खदीजा अफगानिस्तान का रहने वाला है और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (प्ैज्ञच) से जुड़ा है। वह पाकिस्तान के संपर्क में भी रहा है। बड़ी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश के तहत पैसे जमा करने और लोगों की भर्ती करने की योजना थी। गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस टीम ने 7 नवंबर को अडालज के पास सैयद को पकड़ लिया।

2 आरोपी यूपी के, एक हैदराबाद का

अधिकारी ने बताया कि सैयद हैदराबाद का रहने वाला है। वहीं, अन्य आरोपी आजाद सुलेमान शेख और मोहम्मद सुहैल मोहम्मद सलीम, दोनों उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, जिन्हें बनासकांठा जिले से गिरफ्तार किया गया। दोनों ने कथित तौर पर राजस्थान के हनुमानगढ़ से हथियार हासिल किए थे और उन्हें सैयद को दिया था। एटीएस ने कहा, आगे आरोपियों के कॉल डिटेल रेकॉर्ड की जांच की जाएगी। काफी रेडिकल मेंटालिटी है इसकी। यह भारत में मोटे प्रमाण में मतलब बड़ी लोगों को नुकसान पहुंचा पाए। इस तरह की आतंकवादी घटना को अंजाम देना चाहता था। इसके लिए बहुत सारे फॉरेनर्स के कांटेक्ट में था। अभी जिस व्यक्ति के साथ इसका सबसे ज्यादा लाइव कम्युनिकेशन था वो एक अब्बू खदीजा नाम से एक टेलीग्राम आईडी थी जिसके साथ एक कांटेक्ट में था जिसे अपना आमिर मानता था। अब्बू खदीजा जो है वह आईएसकेपी का हो सकता है। ऐसा इसका मानना है। इन्होंने मिलकर के जो राइज़न एक बहुत ही पोटेंट पोइजन है उसको बनाने की प्रोसेस इसने स्टार्ट की थी। उसके लिए इसने रिक्वायर्ड कैस्टर सीड्स, एसीटोंस, क्रशर्स वगैरह वगैरह जो इसको चाहिए वो इसने प्रोक्योर किए थे और वो केमिकल प्रोसेस भी चालू कर दी थी।

हमास के 200 आतंकियों को जिंदा दफनाया, इजरायल ने सुरंग में सीमेंट भरकर किया पैक

वो कहावत है ना जिस गड्ढे में तुम दूसरों को गिराने की कोशिश करते हो। कभी–कभी वही गड्ढा तुम्हारा मकबरा बन जाता है। गाजा की धरती पर आज यही हो रहा। वह सुरंगे जिन्हें हमास ने अपने सबसे बड़ी ताकत बताया था, अब वही सुरंगे उनकी कब्र बन रही है। इजराइल और गाजा के बीच चल रहे संघर्ष विराम के बीच एक ऐसा वीडियो सामने आया जिसने पूरी दुनिया को

झकझोर कर रख दिया। रिपोर्ट के मुताबिक राफा बॉर्डर के पास इजरायली सेना ने एक बड़ी टनल यानी सुरंग की खोज की है। जहां करीब 200 हमास आतंकी अंदर फंसे हुए हैं। दावा किया जा रहा है कि वह आतंकी मार्च 2025 से यानी लगभग 7 महीने से उसी भूमिगत सुरंग में छुपे हुए हैं। अब इजराइल ने इस सुरंग के चारों ओर हर एक निकासी का रास्ता सीमेंट और बारूद से बंद कर दिया।

गाजा में सुरंगों में फंसे लगभग 200 नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है। इससे पहले, उसने एक दशक से भी ज़्यादा समय पहले गाजा में मारे गए एक इज़रायली सैनिक की वापसी में मदद की थी। हमास ने पहले कहा था कि इज़रायली कब्ज़े वाले राफ़ा क्षेत्र में छिपे लड़ाके इज़रायल के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेंगे और उसने मध्यस्थों से इस संकट का समाधान खोजने का आग्रह किया था जो एक महीने पुराने युद्धविराम के लिए ख़तरा बन गया है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तुर्किये ने हमास के युद्ध विराम के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए किए गए गहन प्रयासोंष के बाद 11 साल बाद हदर गोल्डिन के अवशेषों को सफलतापूर्वक इज़राइल वापस लाने में मदद की।

कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह दुनिया के सबसे क्रूर लेकिन प्रभावी सुरंग विनाश अभियानों में से एक है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन तन्याहू पिछले कुछ हफ्तों से लगातार यह कह रहे हैं कि गाजा से निकलने वाले हर हमास आतंकी को या तो मार दिया जाएगा या गिरफ्तार किया जाएगा। यह संदेश सिर्फ हमास को नहीं बल्कि उन देशों और उन संगठनों को भी है जो गाजा में हमास का समर्थन करते हैं। इस ऑपरेशन का साइकोलॉजिकल एंगल भी बहुत बड़ा है। टनल के अंदर फंसे आतंकियों के बारे में जानबूझकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में जानकारी लीक की गई ताकि बाकी हमास नेटवर्क में भय का माहौल फैल सके।

200 आतंकी सीमेंट से भरी सुरंगे और इजराइल का साफ संदेश या तो हथियार डालो या मिट्टी में मिल जाओ। यह ऑपरेशन दुनिया को यह दिखा रहा, बता रहा कि इजराइल अब सिर्फ हमले नहीं कर रहा। वो सिस्टमैटिक एलिमिनेशन पर काम कर रहा है। जहां दुश्मन के पास छिपने का मौका ही नहीं होगा। गाजा की जमीन के नीचे अब वो आवाजें गूंज रही हैं जो इजराइल ने हमेशा दी थी। हम आतंकवाद से नहीं डरते। हम उसे दफन कर देंगे।

अंधेरे में डूब गया रूस... ड्रोन बरसा कर यूक्रेन ने ठप कर दी बिजली की सप्लाई

रूस–यूक्रेन युद्ध में अब तकनीक के जरिए हमले तेज हो गए हैं। रात के समय यूक्रेन के हमलों से दो प्रमुख शहरों– वोरोनिश और बेलगोरोड में बिजली तथा हीटिंग बाधित हो गई है। वोरोनिश में ड्रोन हमले से ब्लैकआउट हुआ। वहीं, बेलगोरोड में मिसाइल हमले से बिजली और व्हीटिंग सिस्टम को गंभीर नुकसान हुआ है, जिससे 20,000 घर प्रभावित हुए। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव

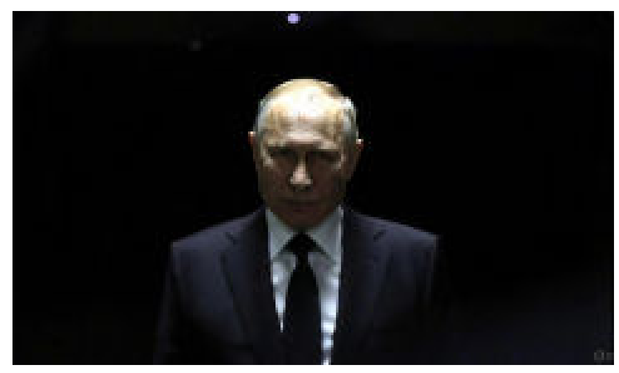

ने बताया कि ड्रोन हमले के कारण वोरोनिश के कुछ हिस्सों में अस्थायी रूप से बिजली बाधित हो गई और 'हीटिंग सिस्टम' (सर्दियों में इमारतों या संयंत्रों को गर्म रखने की प्रणाली) ठप हो गई। उन्होंने कहा कि दस लाख से ज्यादा की आबादी वाले शहर के ऊपर रात में कई ड्रोन को मार गिराया गया, लेकिन उसके मलबे से आग लगी, जिसे तुरंत बुझा दिया गया। रूस और यूक्रेन के टेलीग्राम चौनलों ने दावा किया कि हमले का लक्ष्य एक स्थानीय ताप विद्युत संयंत्र था। स्थानीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने बताया कि शनिवार देर रात हुए एक मिसाइल हमले से बेलगोरोड शहर की बिजली आपूर्ति और हीटिंग सिस्टम को भी गंभीर नुकसान पहुंचा। इस बीच, रूस के शीर्ष राजनयिक ने रविवार को कहा कि वह यूक्रेन में युद्ध और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने पर चर्चा करने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिलने के लिए तैयार हैं।

आसिम मुनीर का प्रमोशन कर फंसे शहबाज, पाकिस्तान में अब होगा तख्तापलट!

पाकिस्तान सरकार ने संसद में 27वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। इस संशोधन से सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को एक नया और बहुत ताकतवर पद मिला है। चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस यानी सीडीएफ का। इस कदम ने पाकिस्तान की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है और पाकिस्तान के जो विपक्ष के नेता हैं उन्होंने तगड़ा विरोध प्रदर्शन पाकिस्तान में शुरू कर दिया है। अब सवाल यह उठता है कि ये जो विरोध प्रदर्शन हो रहा है और जिस तरह से शहबाज शरीफ आसिम मुनीर को पाकिस्तान का बादशाह बनाने पर तुले हुए हैं। पाकिस्तान में प्रस्तावित 27वें संविधान संशोधन से हलचल है। इसके जरिए सेना प्रमुख को चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बनाकर तीनों सेनाओं थल, वायु और नौसेना पर सर्वोच्च नियंत्रण देने की तैयारी है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।